www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक–245 I सागर, मंगलवार, 24 अक्टूबर 2023 I पृष्ठ –8 I मूल्य – 3.00 रुपए

ललिता हरप्रसाद और पटैरिया ने नामांकन भरा पृष्ठ 3

- सरकारी संकल्प यात्रा या मोदी प्रचार यात्रा
- रावण मर गया! पृष्ठ 4

- भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी और कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर ने दाखिल किया नामांकन पृष्ठ 6

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण में सीजीएसटी, कस्टम, आबकारी, बैंक की अहम भूमिका: कलेक्टर पृष्ठ 8

सार-समाचार

प्रियंका गांधी 28 को दमोह आएंगी

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए जहां नामांकन पत्र भरने का अभियान जारी है तो वहीं राष्ट्रीय नेताओं के दौरे भी हो रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी 28 अक्टूबर को दमोह आ रही हैं और जनसभा को संबोधित करेंगी। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की आने वाले दिनों में 6 जनसभाएं होने वाली हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ की 24 अक्टूबर को छिंदवाड़ा में जनसभा होगी और वे 26 अक्टूबर को छिंदवाड़ा में नामांकन दाखिल करेंगे। 27 अक्टूबर को बैतूल के शाहपुर में जनसभा होगी और 28 अक्टूबर दमोह में प्रियंका गांधी के साथ जनसभा में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा 29 अक्टूबर को रायसेन और कुरवाई में जनसभा होगी। 30 अक्टूबर को इंदौर में रैली और जनसभा है।

शुभकामनाएं

बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक दशहरा पर देशबन्धु के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

- संपादक

अवकाश सूचना

दशहरा के अवसर पर देशबन्धु कार्यालय में 24 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 26 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

पूर्व मंत्री गुप्ता की तबीयत बिगड़ी, दिग्विजय ने जाना हाल

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा नेता व प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता की सोमवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें जवाहर चौक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें हल्का हृदयाघात हुआ है। डॉक्टरों के मुताबिक उपचार के बाद उमाशंकर गुप्ता की हालत में सुधार है। उनके हृदय में दो ब्लाकेज निकले हैं। डॉक्टर ने स्टेंट डाला है। फिलहाल उन्हें अस्पताल के आइसीयू में रखा गया है। डाक्टरों ने उन्हें फिलहाल पूरी तरह आराम करने और तनाव नहीं लेने की सलाह दी है। गौरतलब है कि उमाशंकर गुप्ता भोपाल की दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की ओर टिकट के दावेदार थे। हालांकि पार्टी ने भगवानदास सबनानी की इस सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। इसके बाद उमाशंकर गुप्ता के समर्थकों ने पार्टी दफ्तर पहुंचकर प्रदर्शन भी किया था। 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में उमाशंकर गुप्ता इसी सीट पर चुनाव में कांग्रेस के पीसी शर्मा से पराजित हो गए थे।

रुस्तम सिंह ने भाजपा से दिया इस्तीफा

मुरैना, देशबन्धु। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह ने आज भाजपा की प्राथमिक सदस्यता और पार्टी के अन्य सभी दायित्वों से इस्तीफा दे दिया। श्री सिंह ने अपना इस्तीफा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे की प्रति भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ ही राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और मुरैना भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता को भी भेजी है। रुस्तम सिंह ने भाजपा से मुरैना विधानसभा क्षेत्र से टिकिट मांगा था, लेकिन पार्टी ने यहां से रघुराज सिंह कंषाना को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी से असंतुष्ट रुस्तम सिंह के पुत्र राकेश सिंह मुरैना विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के टिकिट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें बसपा ने अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। राकेश सिंह की प्रचार सामग्री पर पूर्व मंत्री और उनके पिता रुस्तम सिंह की तस्वीर दिखाई देने लगी है।

कोरोना के दौरान सुरक्षा गार्ड की हुई थी मौत, उच्च न्यायालय ने दिए निर्देश

विधवा को दिया जाए 50 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक और सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को अस्पताल के एक सुरक्षा गार्ड की विधवा को 50 लाख रुपये का मुआवजा जारी करने का निर्देश दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान ड्यूटी करने के दौरान सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई थी।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने फैसला सुनाया कि विधवा केंद्र सरकार द्वारा घोषित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज कोविड -19 से लड़ने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बीमा योजना के लाभों की हकदार है। अदालत ने मुआवजा देने में सरकार की अनिच्छा की आलोचना करते हुए कहा कि संकीर्ण दृष्टिकोण अपनाना उस योजना की भावना के खिलाफ है, जिसका उद्देश्य उन लोगों के परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करना है जो महामारी से प्रभावित लोगों की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।

अदालत ने कहा कि मृतक सहित सुरक्षा गार्डों और पैरामेडिकल स्टाफ ने कोविड-19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अस्पताल की सुरक्षा सुनिश्चित की और मरीजों को उचित केंद्रों तक निर्देशित किया, जिससे वे सीधे तौर पर कोविड-19 रोगियों को संभालने में शामिल हो गए। विधवा ने केंद्र सरकार की योजना और दिल्ली सरकार की एक करोड़ रुपये की अनुग्रह मुआवजे की योजना के तहत लाभ की मांग की थी।

हालांकि दिल्ली सरकार ने शुरू में ही अपनी योजना के दायरे को सीमित कर दिया था, अदालत ने 27 जुलाई 2020 के एक परिपत्र को स्वीकार कर लिया, जिसमें एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि के लिए प्रशासनिक विभागों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उन व्यक्तियों के नाम प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी, जिन्होंने कोविड - 19 के कारण ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी।

अदालत ने सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को संबंधित दस्तावेज दिल्ली सरकार को सौंपने का निर्देश दिया और सरकार से ड्यूटी के दौरान मृतक के बलिदान को देखते हुए मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने सीहोर जिले के इछावर में चुनावी सभा को किया संबोधित, बोले-

कांग्रेस योजनाओं को बंद कर गरीबों से उनके अधिकार छीनती है

सीहोर/भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर गरीबों से उनके अधिकार छीनती है। अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो न लाड़ली योजना बचेगी और न लाड़ी बहना योजना बचेगी। कांग्रेस पहले भी गरीब कल्याण की योजनाएं बंद कर चुकी है। जनता का भला करने का काम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, और प्रदेश का भला केवल भाजपा सरकार कर रही है। कांग्रेस ने कभी एक धेला नहीं दिया है। यह बात उन्होंने सीहोर जिले के इछावर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी करण सिंह वर्मा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की है कि विकास की गति को बनाए रखने के लिए भाजपा को जिताएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने इंडी गठबंधन बनाया है, आप, कांग्रेस, सपा सब इकट्ठा हो रहें हैं, सब मिलकर भी प्रधानमंत्री मोदी को नहीं हरा सकते, क्योंकि ये तो अपने-अपने स्वार्थों की वजह से इकट्ठा हो रहें हैं। ये कभी भी जनता का भला नहीं कर सकते हैं।

श्री चौहान ने कहा कि असंभव शब्द मामा के शब्दकोश में नहीं है। कांग्रेस ने सिंचाई की योजना कभी नहीं बनाई थी। अब हर गांव में टंकी बनाई जा रही है, सभी घरों में टोटी वाला नल लगाया जाएगा। कमलनाथ जब मुख्यमंत्री थे तो रोते ही रहते थे कि, मेरे पास पैसे ही नहीं है, लेकिन अब भाजपा सरकार लाड़ली बहनों को गैस सिलेंडर भी साढ़े 4 सौ रुपये में दे रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, यहां जो मेरी लाड़ली बहनें बैठी हैं, वह मेरे लिए जीवित, जागृत देवियां हैं। बेटियों की जिंदगी बदलने में हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। बेटियां लाड़ली लक्ष्मी हैं, उनकी चिंता माता-पिता नहीं, मामा ही करता है। लाड़ली बहना योजना के तहत अभी बहनों के खातों में 1250 आ रहें हैं, लेकिन चरणबद्ध तरीके से इस राशि को 3 हजार रूपए तक किया जाएगा। उन्होंने महिला कल्याण की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि, 21 साल की होने पर बेटियों को 1 लाख रूपये दिया जाएगा। दूसरे गांव पढ़ने जाने पर बेटा-बेटियों को साइकिल के पैसे दिये जाते हैं। हमने तय किया आधी सीटों पर अब बहन और बेटियां चुनाव लड़ेंगी। पुलिस में 30 प्रतिशत भर्ती बेटियों की होगी।

कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा-

इस बार प्रदेश में बदलाव तय है

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा कि आज भाजपा से हर वर्ग परेशान हैं, जनता इतनी परेशान हो चुकी है कि इस बार बदलाव चाहती है। उन्होंने भाजपा पर भ्रष्टाचार, घोटालों और अत्याचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इस बार जनता जवाब देगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इस मौके पर एक ट्वीट भी किया, जिसमें उन्होंने 'श्रीरामचरितमानस' की एक चौपाई का उल्लेख करने के बाद लिखा कि शिवराज जी, समझदार को इशारा काफी होता है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि आज प्रदेश में किसान दुखी हैं, जवान दुखी हैं, बुजुर्ग दुखी हैं, माताएं-बहनें, दलित और आदिवासी दुखी हैं। उन्होंने कहा कि 'अब बदलाव होगा और जनकल्याण करने वाली सरकार मध्यप्रदेश में बनेगी।'

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि विकास और जनकल्याण के झूठे वादे कर भाजपा ने जनता से छल किया है और यह सिलसिला 18 सालों से लगातार निरंतर जारी है, लेकिन इस बार का चुनाव प्रदेश के भविष्य का चुनाव है और लोग अब उसके झूठ का जवाब देंगे। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वो पार्टी या उम्मीदवार को नहीं बल्कि इस प्रदेश के उज्जवल भविष्य को ध्यान रखते हुए अपना वोट दें। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस प्रदेश में खुशहाली लाने का वादा करती है उनकी सरकार बनने पर हर व्यक्ति हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करने को वो प्रतिबद्ध हैं।

पश्चिम एशिया की स्थिति पर की चर्चा

मोदी ने जॉर्डन के बादशाह अब्दुल्ला द्वितीय से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल पर हमास के हमले के बाद दोनों पक्षों में संघर्ष के बीच सोमवार को जॉर्डन के बादशाह अब्दुल्ला-द्वितीय से पश्चिमी एशिया की ताजा स्थिति पर फोन पर बातचीत की और दोनों नेताओं ने आतंकवाद तथा संघर्ष में नागरिकों की जानमाल के नुकसान पर अपनी चिंताओं से एक दूसरे को अवगत कराया। श्री मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए एक पोस्ट में कहा, (मैंने) जॉर्डन के महामहिम शाह अब्दुल्ला-द्वितीय से बातचीत की।

पश्चिम एशिया क्षेत्र की घटनाओं पर विचार विमर्श किया। उन्होंने इसी पोस्ट में लिखा, हमने आतंकवाद, हिंसा और नागरिकों के जीवन की क्षति पर अपनी चिंताओं को एक दूसरे को अवगत कराया। वहां सुरक्षा और मानवीय परिस्थितियों के जल्द समाधान के लिए सतत् प्रयास की जरुरत है। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को दक्षिणी इजरायल पर गाजा पट्टी इलाके से हमास के भारी हमलों में हजारों की संख्या में इजरायली एवं विदेशी नागरिकों की मौत और कई लोगों को बंधक बनाने के बाद इसके अगले दिन इजरायल ने हमास के ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की और इसमें हजारों लोग हताहत हुए है और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। भारत ने फिलीस्तीनियों की मदद के लिए रविवार को 32 टन राहत सामग्री मिस्र भेजी है।

नहीं रहे फिरकी के जादूगर

बिशन सिंह बेदी का 77 वर्ष की उम्र में निधन

- 22 टेस्ट मैचों में की भारत की कप्तानी
- बेदी ने 67 टेस्ट मैचों में 266 विकेट चटकाए

अमृतसर, एजेंसी। सत्तर के दशक में भारतीय क्रिकेट टीम की खतरनाक स्पिन चौकड़ी के सदस्य और लेफ्ट आर्म स्पिनर बिशन सिंह बेदी का सोमवार को निधन हो गया। वह करीब 77 वर्ष के थे। 25 सितंबर 1946 को अमृतसर में जन्में बेदी ने 21 साल की उम्र में कलकत्ता (अब कोलकाता) में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिये टेस्ट पदार्पण किया था। वह 1979 तक भारतीय टीम का अहम हिस्सा रहे। अपने टेस्ट करियर के दौरान उन्होने 67 टेस्ट मैचों में 266 विकेट चटकाए। बेदी ने अपना आखिरी टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ 1979 में खेला था।

बाएं हाथ के फिरकी गेंदबाज ने 22 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी भी की। इसके अलावा उन्होंने दस एक दिवसीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सत्तर के दशक में बेदी, इरापल्ली प्रसन्ना, श्रीनिवास वेंकटराघवन और भागवत चंद्रशेखर की स्पिन चौकड़ी का दुनिया के बल्लेबाजों में खौफ था।

भारत की इस स्पिन चौकड़ी ने अपने दम पर कई मैचों का रूख अपनी टीम की ओर मोड़ने में सफलता हासिल की थी। बेदी ने 1969-70 में कोलकाता टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक पारी में 98 रन देकर सात विकेट लिए थे। यह एक पारी में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने टेस्ट में इकलौता अर्धशतक 1976 में कानपुर टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया था। उन्होंने इंग्लैंड के काउंटी क्लब नॉर्थम्पटनशायर के लिए बड़े पैमाने पर खेला।

पराग देसाई नहीं रहे

अहमदाबाद, एजेंसी। शहरी सड़कों पर आवारा मवेशियों और कुत्तों की बढ़ती समस्या के कारण एक और दुखद घटना सामने आई है। वाघ बकरी चाय समूह के कार्यकारी निदेशक व्यवसायी पराग देसाई की कुत्तों से जुड़ी एक दुर्घटना के कारण रविवार को जान चली गई। 50 वर्षीय पराग देसाई कथित तौर पर 15 अक्टूबर को सुबह की सैर के दौरान अपने घर के बाहर उन पर हमला करने वाले आवारा कुत्तों से बचने के प्रयास में फिसलकर गिर गए थे। उनके मस्तिष्क में गंभीर चोट आई थी। उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद वहां से उन्हें दूसरे अस्पताल में ले जाया गया जहां उनकी मस्तिष्क की सर्जरी की गई। वहां उन्हें निगरानी में रखा गया। रविवार शाम करीब सात बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। पराग देसाई प्रबंध निदेशक रसेश देसाई के बेटे हैं। उन्होंने अमेरिका की लॉन्ग आइलैंड यूनिवर्सिटी से एमबीए किया था। उन्होंने समूह के लिए बिक्री, विपणन और निर्यात विभागों का नेतृत्व किया।

वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने लिखी खड़गे को चिट्ठी-कमेटी से मेरा नाम हटा दें

जम्मू, एजेंसी। कांग्रेस द्वारा जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारी समिति में पूर्व सांसद और अनुभवी राजनेता डॉ. कर्ण सिंह को नामित करने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से अपना नाम सूची से हटाने का अनुरोध किया, क्योंकि वह राज्य की राजनीति में सक्रिय नहीं हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष खड़गे को लिखे पत्र में डॉ. कर्ण सिंह ने कहा, पार्टी अध्यक्ष खड़गे, मैंने देखा कि मेरा नाम नवगठित जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारी समिति में शामिल किया गया है। जैसा कि आप जानते हैं, मैं कई वर्षों से राज्य की राजनीति में सक्रिय नहीं हूं। इसलिए, मैं अनुरोध करता हूं कि मेरा नाम सूची से हटा दिया जाए।

महुआ मोइत्रा के साथ तस्वीरें वायरल होने पर बोले थरूर- वहां और भी लोग थे

कोट्टायम, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के साथ वायरल हो रहीं अपनी तस्वीरों को लेकर बयान दिया है. थरूर ने तस्वीरें वायरल करने की हरकत को निम्न स्तर की राजनीति बताया है. थरूर ने दावा किया है कि तस्वीरें एक बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान ली गई थीं. उन्होंने कहा,फोटो को जानबूझकर इस तरह से पेश किया जा रहा है कि वह किसी गुप्त बैठक के फोटो हों. उन्होंने यह भी कहा कि महुआ मोइत्रा उनसे उम्र में कई साल छोटी हैं और वह उन्हें बच्चे की तरह देखते हैं।

थरूर ने केरल के कोट्टायम में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि फोटो वायरल करना बेहद निम्न स्तर की राजनीति है. उन्होंने कहा, फोटो जन्मदिन सेलिब्रेशन के मौके पर ली गईं. लेकिन मेरे लिए वह बच्ची जैसी ही हैं. वह मुझसे 10 से 20 साल छोटी हैं. थरूर के कहा कि जन्मदिन की सेलिब्रेशन पार्टी में 15 लोग मौजूद थे. मेरी बहन को भी आमंत्रित किया गया था, और वह उपस्थित भी थीं. हालाँकि, कुछ लोगों ने जानबूझकर दूसरों को हटा दिया और फोटो को गुप्त बैठक की तरह प्रस्तुत किया. जो भी सोच रहा है कि तस्वीरें गुप्त बैठक की हैं, उसे यह भी सोचना चाहिए कि फोटो किसने खींची होंगी।

अग्निवीर की शहादत पर बोले राहुल

शहीदों के परिवार को पेंशन तक नहीं, ये नायकों का अपमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना में 'अग्निपथ' योजना शुरू होने के बाद पहली बार दो 'अग्निवीरों' की शहादत हुई है। हालांकि सेना ने पहले अग्निवीर की मौत के मामले को संदिग्ध बताया था। पंजाब के मानसा के अग्निवीर अमृतपाल सिंह को अंतिम संस्कार के दौरान सेना द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' नहीं दिए जाने से सोशल मीडिया पर बवाल मच गया था। अब सियाचिन में अग्निवीर गावते अक्षय लक्ष्मण, ड्यूटी पर शहीद हो गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, शहीद परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। एक जवान देश के लिए शहीद हो गया। शहादत पर जवान के परिवार को कोई पेंशन नहीं। उन्होंने लिखा, अग्निवीर, भारत के नायकों का अपमान करने की एक योजना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी केंद्र सरकार पर 'सशस्त्र बलों का राजनीतिकरण' करने का आरोप लगा दिया।

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट पर अग्निवीर गवाते का फोटो शेयर करते हुए कहा, सियाचिन में, अग्निवीर गवाते अक्षय लक्ष्मण की शहादत का समाचार बहुत दुखद है। उनके परिवार को मेरी गहरी संवेदनाएं। एक युवा देश के लिए शहीद हो गया। सेवा के समय न ग्रेच्युटी न अन्य सैन्य सुविधाएं और शहादत में परिवार को पेंशन तक नहीं। अग्निवीर, भारत के वीरों के अपमान की योजना है।

'अग्निपथ' योजना देश के लिए घातक : रोहित चौधरी

कांग्रेस ने सियाचिन में ड्यूटी के दौरान अग्निवीर अक्षय लक्ष्मण की मौत की पृष्ठभूमि में सोमवार को सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना को देश के लिए घातक करार दिया और कहा कि अग्निवीरों को नियमित सैनिकों की तरह सम्मान दिया जाना चाहिए। पार्टी के पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल (सेवानिवृत्त) रोहित चौधरी ने यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार अग्निपथ योजना के माध्यम से सेना में भेदभाव पैदा कर रही है और देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसका जवाब देना चाहिए कि युवाओं, सैनिकों और देश के लिए घातक 'अग्निपथ' योजना को क्यों लागू किया गया। चौधरी ने कहा, 'अग्निवीरों की शहादत को सम्मान देना और उनके परिवारों की देखभाल देश की जिम्मेदारी है, इसलिए इन्हें नियमित सैनिकों की तरह ही सम्मान दिए जाए।

अग्निपथ योजना को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। सियाचीन में एक अग्निवीर की शहादत के बाद कांग्रेस पार्टी अब इसे पांच राज्यों के चालू विधानसभा चुनाव में बडा सियासी मुद्दा बनाने की तैयारी में है। पार्टी अग्निवीरों की शहादत पर परिजनों को नियमित सैनिकों जैसी सुविधाएं,पेंशन व ग्रेच्युटी की मांग को लेकर चुनावी राज्यों में बडी मुहिम छेडने जा रही है। इसकी शुरुआत 29 अक्टूबर से राजस्थान से होगी। यहां कांग्रेस के सैनिक प्रकोष्ठ से जुडे सदस्य अग्निपथ और अग्निवीर योजना के खिलाफ बडी रैली करने जा रहे है।

महानवमी की घर-घर हुई पूजा अर्चना, निकले धूमधाम से जवारे

महाकाली की महाआरती में उमड़े भक्तों का सैलाब

मालथौन, देशबन्धु। नवरात्रि की महानवमी को मां सिद्धदात्री मैय्या की पूजा अर्चना हुई, देवी मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए भक्तों की सुबह से कतार लगी रही है। अष्टमी और नवमीं को घर-घर लोगो ने कुलदेवी की पूजन किया। श्रृद्धालुओ ने हवन और कन्या पूजन कर कन्या भोज कराये। नवरात्रि महोत्सव नगर में दुर्गा उत्सव की चारो तरफ धर्म मय वातावरण रहा हैं भक्ति मय माहौल की धूम रही। नगर के एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर पंडालों में दुर्गा जी की झांकिया मनमोहक सजी है अंतिम दिन दर्शनों, महाआरती पूजन में भक्तों का सैलाब उमड़ा। नवरात्रि में दिवालो से ज्वारे के विसर्जन के लिए धूमधाम से निकले। परंपरा के अनुसार जवारों का बड़ा महत्व है पृथ्वी पर सबसे पहली फसल जौं की उगाई थी ज्वारे सुख समृद्धि की प्रतीक है। शारदीय और चैत्र नवरात्रि में ज्वारे घट स्थापना के साथ बोयें जाते है और अष्टमी, नवमी को हवन पूजन के बाद ज्वारों को जलाशय में विसर्जन किया जाता हैं। माता के ज्वारे विसर्जन के ज्वारों को खप्पर में लेकर सिर पर माताएं बहिने लेकर चल रही थी। आगे अखाड़े में करतब करते भक्त चल रहे थे, माता के भक्त त्रिशूल छिदवाकर चल रहे थे। भक्त गण माता की भक्के, जयकारे लगाते चल रहे थे। दिवालो से ज्वारे मातारानी के दरबार किला प्रांगण में पहुचे माता रानी को अर्पित कर जलूस तालाब में विसर्जन के लिए प्रस्थान हुआ जहां विधि विधान से विसर्जित किया गया।

नवरात्रि पर घर- घर हुई कुलदेवी की पूजा

देवी मंदिरों में नवमी पर पूजा करने वालों का लगा तांता

बीना, देशबन्धु। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा होती है। देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। कुलदेवी की पूजा और दर्शन के लिए मंदिरों में भक्तों की कतार लगी हुई हैं। भक्त देवी मंदिरों में नारियल और अठवाई का भोग लगाकर मां को प्रसन्न करते हैं। ऐसा माना जाता है कि मां सिद्धिदात्री की पूजा करने से सिद्धि मिलती है। जो भी मां की पूजा करते है उसके भीतर का डर खत्म हो जाता है। नवमी पर बीना के कच्चा रोड स्थित मां जागेश्वरी देवी मंदिर, मढिया वार्ड स्थित बड़ी माता मंदिर, गल्ला मंडी में स्थित दुर्गा माता मंदिर, शिव मंदिर में स्थित कात्यानी देवी मंदिर, बड़े मंदिर में विराजमान मां दुर्गा देवी, कटरा मंदिर में विराजमान देवी मंदिर, झांसी गेट स्थित देवी मंदिर, छोटी बजरिया स्थित रामजानकी मंदिर में विराजमान देवी मां, स्टेशन रोड देवी मंदिर, ग्वालटोली में स्थित देवी मंदिर, खुरई रोड स्थित शिव मंदिर में विराजमान देवी मंदिर सहित कई देवी मंदिरों में ही भक्तों का तांता लगा हुआ हैं। दूर-दराज में रहने वाले लोग अष्टमी और नवमी का पूजन करने के लिए अपने घर आते हैं। इस दिन भक्तों द्वारा कुलदेवी के मंदिरों में जाकर नारियल, अठवाई का भोग लगाया जाता है। नवमी के दिन महामंगला महाकाली का विशेष श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में जोत जलाई है। सामूहिक पूजन एवं आरती की जा रही है। नवरात्रि के 9 वें दिन कन्या पूजन का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। कन्या पूजन के साथ ही 9 दिनों तक व्रत रहने वाली महिलाएं और अन्य श्रद्धालु अपने व्रत का समापन करते हैं। सुबह से ही भक्त पूड़ी, सब्जी, हलवा, खीर का भोग लगाकर नौ देवी स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे जा रहे हैं। नौ कन्याओं के भोज कराने के साथ ही सभी 9 दिनों का व्रत रखने वाले भक्त अपने व्रत का समापन भी कर रहे हैं।

महाविद्यालय में हुआ प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन

बीना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत एसडीएम एवं रिटर्निंग ऑफिसर देवेंद्र प्रताप सिंह एवं प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया के मार्गदर्शन में शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक मोहम्मद रफीक शेख द्वारा विद्यार्थियों से मतदान एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रश्न पूछे गए। जिसमें प्रथम यश प्रकाश लखेरा एवं सूजल कुशवाहा, द्वितीय शुभम नामदेव एवं भूमिका लोधी, तृतीय स्थान सुमित चौबे एवं विनीत अहिरवार प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी 25 अक्टूबर को जिला स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता सागर में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर डॉ. एके जैन, डॉ. एमएल सोनी एवं प्रो. आरएस तिवारी ने विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता के लिए सक्रिय भागीदारी लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. मुकेश निरंजन, उमेश यादव, डॉ. नीलम सिंह, दीपिका दीक्षित, श्वेता दुबे, राजेश माहोर सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दशहरा पर शांति बनाने हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

सागर, देशबन्धु। दशहरा चल समारोह एवं दुर्गा विसर्जन के अवसर पर आज शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें तहसीलदार बंडा सपना तिवारी को मुख्य प्रदर्शन स्थल कटरा यातायात चौकी पर चल समारोह के प्रारंभ से समाप्ति तक उपस्थित रहेंगी। तहसीलदार नगरीय एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी प्रवीण पाटीदार दुर्गा मूर्ति चल समारोह में कोतवाली से मोतीनगर थाना तक, तहसीलदार ग्रामीण एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी रोहित रघुवंशी एवं तहसीलदार अनिल कुशवाहा लेहदरा नाका विसर्जन स्थल में समस्त प्रतिमाओं के विसर्जन तथा मोतीनगर क्षेत्र अंतर्गत डयूटी, नायब तह. विजय चौधरी को गोपालगंज एवं सिविल लाईन थाना अंतर्गत निकलने वाली दुर्गा मूर्तियों में डयूटी, नायब तह. दुर्गेश तिवारी को थाना मकरोनिया, बहेरिया थाना अंतर्गत दुर्गा प्रतिमाओं के चल समारोह में डयूटी, नायब तह. महेश दुबे को चितोरा नदी विसर्जन स्थल अंतर्गत प्रमिमा के विसर्जन तक डयूटी, नायब तह. बहादुर सिंह व नायब तह. सुरेश कुमार सोनी ढाना पुल विसर्जन स्थल अंतर्गत प्रतिमा के विसर्जन तक डयूटी एवं नायब तह. सुनील वाल्मिकी एवं प्रभारी नायब तह. विनोद सिंह को मेहर नदी विसर्जन स्थल अंतर्गत प्रतिमा के विसर्जन तक डयूटी रहेंगी। जिला दण्डाधिकारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर संपूर्ण जिले के कानून व्यवस्था प्रभार में रहेंगे। नगर दण्डाधिकारी एवं नगर पुलिस अधीक्षक संपूर्ण नगर के कानून व्यवस्था के प्रभारी रहेंगे। अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस समय-समय पर अपने क्षेत्रान्तर्गत कानून व्यवस्था एवं अन्य कार्यवाही से जिला दण्डाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अपर जिला दण्डाधिकारी, अति. पुलिस अधीक्षक को अवगत करायेगें। नियुक्त कार्यपालिक दण्डाधिकारी निरंतर संपर्क में रहेगें तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये उत्तरदायी होगें।

नामांकन के दूसरे दिन सागर जिले में तीन नाम निर्देशन पत्र हुए जमा

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत नाम निर्देशन पत्र जमा करने के दूसरे दिन तीन नामाकंन पत्र जमा हुए। नाम निर्देशन पत्र 30 अक्टूबर तक जमा होंगे। जिले के सुरखी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से गोविंद सिंह राजपूत, बंडा से वीरेंद्र सिंह ठाकुर एवं सागर विधानसभा क्षेत्र से सोना कुशवाहा के द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए। सुरखी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अभ्यर्थी के रूप में भाजपा के गोविन्द सिंह राजपूत ने रिटर्निंग अधिकारी अशोक सेन के समक्ष अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया।

सागर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से एसयूसीआई की सोना कुशवाहा ने नामांकन पत्र जमा किया। उन्होंने अपना नाम निर्देशन पत्र सागर के रिटर्निंग अधिकारी शैलेंद्र सिंह के समक्ष जमा किया। बंडा विधानसभा क्षेत्र से वीरेंद्र सिंह लोधी भाजपा के प्रत्याशी द्वारा रिटर्निंग अधिकारी संदीप सिंह परिहार के समक्ष नाम निर्देशन पत्र जमा किया गया। जिले के अन्य 5 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कोई भी नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं किया गया। आज शासकीय अवकाश होने के कारण नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं होंगे। अब कल बुधवार 25 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्र जमा होंगे।

मानसिक तनाव से निपटने योग कारगर

एकता समिति द्वारा योगाचार्य विष्णु आर्य का सम्मान

सागर, देशबन्धु। सागर में योग की अलख जगाने वाले 65 वर्ष से सक्रिय योगाचार्य विष्णु आर्य का एकता समिति द्वारा सम्मान किया गया। समारोह के विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार शरद गुप्ता थे। अध्यक्षता संस्थापक रशीद भाई ने की। समारोह में समिति ने जिला योग समिति के अध्यक्ष श्री आर्य का पुष्पहार से स्वागत कर शाल श्रीफल, अभिनंदन पत्र भेंट किया। कार्यवाहक अध्यक्ष संजय शास्त्री ने अभिनंदन पत्र का वाचन करते हुए योग के क्षेत्र में श्री आर्य के योगदान पर प्रकाश डाला। 95 वर्षीय श्री आर्य ने कहा कि आज मानसिक तनाव ही अधिकांश बीमारी का कारण है। योग से मन के साथ शरीर स्वस्थ रहता है और अच्छे संस्कार भी आते है। योग निकेतन द्वारा लोगों के लिए योग से जोड़ने घर-घर योग, हर घर योग अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने लोगों से योग अभियान से जुड़ने की अपील की। प्रारंभ में सचिव कमल जैन ने मंगलाचरण एवं राजेन्द्र सोनी ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। समिति ने योग के व्यापक प्रचार और प्रसार के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समिति के सदस्य चंपक भाई, सुधीर जैन, राजेंद्र मलैया, नीरज सेठ, नीलेश समैया, सतीश खत्री, सुभाष सराफ, विनीत जैन आदि उपस्थित थे।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर का शिलान्यास समारोह संपन्न

सागर, देशबन्धु। विजय टॉकीज चौराहा स्थित श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बड़कुल जी वाला के भूमि शुद्धि एवं शिलान्यास का कार्यक्रम धीरज भैया राहतगढ़ के सानिध्य में किया गया। मंदिर कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन चितौरा ने बताया कार्यक्रम में मुख्य शिला रखने का सौभाग्य दिलीप चौधरी मानक चौक परिवार एवं भूमि शुद्धि सुनील जैन करैया वाले परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजय कुमार, प्रदीप नायक, राहुल चौधरी, त्रिलोक बड़कुल, अशोक बड़कुल एवं महिला मंडल की सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

प्रदीप राजौरिया बने मप्र भाजपा के मीडिया पेनलिस्ट

सागर, देशबन्धु। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की सहमति से एवं भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सागर के पूर्व संभागीय मीडिया प्रभारी प्रदीप राजौरिया को भाजपा प्रदेश मीडिया पेनलिस्ट नियुक्त किया। प्रदीप राजौरिया को भाजपा प्रदेश मीडिया पेनलिस्ट बनाये जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं व प्रदेश भाजपा एवं वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त कर श्री राजौरिया को नये दायित्व की बधाई दी।

मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, वायरल बुखार के नियंत्रण के लिए सीएमएचओ ने की अपील

सागर, देशबन्धु। जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय में मलेरिया, डेंगू, चिकिनगुनिया, वायरल बुखार के प्रभावी नियंत्रण के लिए समस्त अधिकारी कर्मचारियों को अपने अपने क्षेत्रों में सधन फीवर लार्वा सर्वे किये जाने एवं अपने आसपास संम्पूर्ण साफ सफाई की व्यवस्था के उपाय किये जाएं। मच्छरों की संख्या में वृद्धि होने से मलेरिया, डेंगू चिकिनगुनिया और मौमसी बीमारी, वायरल, बुखार जैसे रोगों के फैलने की संभावना होती हैं, सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरी ने जन सामान्य से अपील की है कि सप्ताह में एक दिन समय निकालकर वे अपने रहवासी परिसर के आसपास पानी एकत्रित होने वाली सभी अनुपयोगी वस्तुएं जैसे प्लास्टिक की बोतलें टीन के डब्बे, नारियल के खोल इत्यादि को नष्ट किया जावे, कही भी पानी एकत्रित न होने दें, पानी के निकासी की तत्काल व्यवस्था की जावे, पानी की निकासी संभव न होने की स्थिति में वहां जले हुए ऑयल, मिट्टी के तेल, का छिडकाव करें, एवं फुल बाह के कपड़े पहने ताकि दिन के समय मच्छरों के काटने से बचाव हो सके व मच्छर रोधी क्राइल या लिक्विड आदि का इस्तेमाल करें, दरवाजे एवं खिड़कियों में मच्छर रोधी जालिया लगवायें, बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच एवं उपचार प्राप्त करें, डेंगू बीमारी एक सामान्य बुखार है इसलिए घबराये नहीं जानकारी ही बचाव है।

दिन में निकलेगा चल समारोह, शाम को होगा रावण दहन

राहतगढ़, देशबन्धु। श्री रामदल उत्सव समिति के तत्वाधान में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। आज दोपहर 12 बजे से गाजेबाजे एवं अखाड़ों से शनिचरा बाजार स्थित श्यामलिया जी सरकार मंदिर से दशहरा पर्व चल समारोह शुरू होगा। चल समारोह में रथ पर सवार राम दरबार की संजीव झांकी आकर्षक का केंद्र रहेगी। चल समारोह शनिचरा बाजार से शुरू होकर शुक्रवारा, बनेनीघाट, बुधवारा, झंडा चौक से वापिस होकर दुर्गा चौक पुराना थाना शनिचरा बाजार से होकर शाम 7 बजे दशहरा मैदान पहुंचेगा जहां भगवान राम लंकापति रावण के 22 फुट लंबे पुतले का दहन करेंगे। अखाड़ों का प्रदर्शन दुर्गा चौक पुराना थाना पर शाम 4 बजे होगा। क्षेत्र के लोगों से श्री रामदल समिति उत्सव के पदाधिकारी एवं सदस्यो ने दशहरा चल समारोह में शामिल होने की अपील की है।

मतदान में शत-प्रतिशत भागीदारी हेतु चलाया जा रहा मतदाता जागरूकता अभियान

बीना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी हेतु रिटर्निंग ऑफिसर देवेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया द्वारा हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार के उपयोग करने की अपील की। इस अवसर पर डॉ. एमएल सोनी, मोहम्मद रफीक शेख, डॉ. एके जैन, डॉ.नमिता अग्निहोत्री, प्रो. आरएस तिवारी, गौरव नैलवाल सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को 17 नवंबर को मतदान करने के लिए जागरूक किया।

श्रद्धा भक्तिभाव से निकले जवारे, हवन पूजन हुआ

राहतगढ़, देशबन्धु। नवरात्रि के समापन मौके पर सोमवार को नगर एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने विधि विधान से जवारों का विसर्जन श्रद्धा भक्तिमय माहौल में बीना नदी बनेनीघाट, बड़ापुल आदि जलाशयों में जवारों का विसर्जन पूजा पाठ कर किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्तिमय माहौल में नाचते गाते हुए चल रहे थे। नगर के मुख्य मार्गो से निकले जवारों के साथ नवरात्रि का समापन हो गया। श्रद्धालुओं ने जवारो के दर्शन कर उपवास खोले। वहीं दुर्गा प्रतिमाओं के समक्ष दिनभर दुर्गा उत्सव समिति सदस्यों द्वारा मां जगतजननी प्रतिमा के समक्ष हवन पूजन के बाद कन्या भोज कार्यक्रम हुआ।

नगर निगम में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

सागर, देशबन्धु। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत प्रमिला पत्नि बसंत जो शिवाजी नगर वार्ड जोन क्रमांक 1 में पदस्थ थी उनका आकस्मिक निधन होने पर निगम सभाकक्ष में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें उनकी आत्मा की शांति हेतु 2 मिनिट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में नगर निगम उपायुक्त एसएस बघेल, आरबी जोशी, भोलाप्रसाद करोसिया, सुदेश सनकत, राजेन्द्र सनकत सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सिंधी कॉलोनी में 3 दिवसीय झांकी के अंतिम दिन संभाग भर से आए श्रद्धालु

सागर, देशबन्धु। सिंधी कॉलोनी में महाराष्ट्र लोनावाला में स्थित एकवीरा आई मां का साचा दरबार, महाकाल लोक, साईबाबा व खाटू श्याम, भोलेनाथ की अमरनाथ झांकी सजाई है और साथ ही सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झूलेलाल की झांकी के श्रद्धालुओं ने दर्शन किये। संस्था अध्यक्ष अशोक जसवानी व पूर्व अध्यक्ष अशोक सुंदरानी ने बताया की मां के दरबार में जाने के लिए श्रद्धालु पहले खाटू श्याम, सीढी से ऊपर होकर महादेव महाकाल के दर्शन उपरांत वरुण अवतार भगवान झूलेलाल से होकर भूतो का साम्राज्य की झांकियो के दर्शन करके हँसी का खजाना में पहुंचे। साथ ही शिव भगवान के दर्शन भी श्रद्धालु ने किये। इसके बाद शिरडी वाले साईबाबा से प्रसाद लेकर राधा कृष्णा की झांकी के बाद एकवीरा आई मां के दर्शन के बाद सीढ़ियों से नीचे उतारकर ठन्डे पानी की नहर से होते बरसात के पानी में भीगकर मां दुर्गा की झांकी के अद्भुत दर्शन कर श्रद्धालु प्रसाद लेकर बहार आये सम्पूर्ण दर्शन दो घंटे में हुआ। संस्था सचिव हरीश नागवानी, अशोक सौम्या, कमलेश सुंदरानी ने बताया की उक्त झांकी के दर्शन शाम 7 बजे से श्रद्धालुओं का मेला लाइन में लगना शुरू हो गया जो देर रात तक यही सिलसिला चलता रहा। राजेश मनवानी ने बताया कि झांकी के दर्शन करने पूरे सागर संभाग भर के श्रद्धालुजन आ रहे है। अनेक खाने पीने के स्टाल न्यूनतम रेट यानी 10 रूपये में पूड़ी सब्जी, पुलाव का दोना, इडली साबर बड़ा, मगोड़ी दोना, आइसक्रीम और पानी के पाउच व चाय फ्री मिल रहे है। पथरीले व दुर्गम रास्तो से गुजरकर, पानी के कुंड में भीगकर और भूत नगरी से होकर पागलो की दुनिया से रूबरू होकर इन झांकियो के दर्शन हो रहे है, इस अवसर पर सिंधी समाज की अनेक संस्था सहयोग कर रही है।

सार समाचार

राष्ट्रीय सनातन वाहिनी ने कराया काली माता मंदिर में भण्डारा

छतरपुर, देशबन्धु। नवरात्र के अन्तिम दिन महानवमी के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सनातन वाहिनी के सदस्यों द्वारा कन्याभोज एवं भंडारा का आयोजन हमा की माँ काली देवी मन्दिर में किया गया जिसमें माता का आशीर्वाद प्राप्त कर सभी को प्रसाद एवं भण्डारा में प्रसाद वितरित किया गया। लोगों ने माता के भजनों का भरपूर आनंद भी लिया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी एवं स्वयं सेवक मौजूद रहे।

माता के दरबार में बच्चों ने दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

गुलगंज, देशबन्धु। गुलगंज में शांडिल्य चौक में ज्ञान सागर स्कूल के बच्चों द्वारा माता के दरबार में अनेक प्रस्तुतियां दी गईं। स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में गरबा डांडिया सहित नौ देवियों की अलग-अलग झांकियां सजाई गईं जो आकर्षण का केन्द्र रहीं। स्कूल के डायरेक्टर रमेश चन्द्र जैन ने बताया कि बच्चों ने माता के दरबार में अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नवदुर्गा समिति के अध्यक्ष ने बच्चों को पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचर्या एसके मिश्रज्ञ, प्रकाशचन्द्र शर्मा, सुनील मिश्रा, कविता, रश्मि सिंह ठाकुर, शिवानी जैन, शिवानी मिश्रा, निशा, गीता, पूनम, शिवांगी, छोटा राजा, नेहा सिहं, रामसेवक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विजयादशमी आज, रात 9 बजे जलेगा रावण

छतरपुर, देशबन्धु। बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देने वाले विजयादशमी पर्व को आज जिले भर में धूमधाम से मनाया जाएगा। विजयादशमी के मौके पर जिले के नौगांव और छतरपुर में रावण के पुतला दहन का बड़ा आयोजन किया जाता है। जिला मुख्यालय के स्टेडियम परिसर में होने वाले आयोजन के लिए यहां व्यापक तैयारियां कर ली गई हैं।

श्री अन्नपूर्णा रामलीला समिति के द्वारा रावण का 51 फिट ऊंचा पुतला बनाया गया है जो आज रात 9 बजे दहन किया जाएगा। इसके पूर्व श्री अन्नपूर्णा रामलीला समिति के कलाकार स्टेडियम में एक शोभायात्रा के माध्यम से पहुंचेंगे। यहां राम और रावण युद्ध की लीला का मंचन होगा। तदोपरांत रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। आचार संहिता के बीच हो रहे इस आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां कर ली हैं। यहां पुलिस के जवान बड़ी संख्या में तैनात रहेंगे।

प्रतिमाओं का विसर्जन आज : विजयादशमी पर्व के साथ ही आज माता की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाएगा। जिले भर में प्रतिमाओं के विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर छतरपुर जिला मुख्यालय के समीप बूढ़ा बांध, मऊसहानियां के समीप जगत सागर तालाब को विसर्जन स्थल के लिए चिन्हित किया गया है। यहां बनाए गए अलग कुण्ड में प्रतिमाओं का विसर्जन मशीन के माध्यम से कराया जाएगा ताकि कोई दुर्घटना घटित न हो। यहां पुलिस और एसडीआरएफ के बचावकर्मी भी मौजूद रहेंगे।

भाजपा नेताओं ने भरे मुहूर्त में फार्म, कांग्रेस प्रत्याशी ने कार्यकर्ताओं के साथ किया शक्ति प्रदर्शन

ललिता हरप्रसाद और पटैरिया ने नामांकन भरा

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। छतरपुर में अब तक 12 प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। सोमवार को छतरपुर विधानसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी ललिता यादव, राजनगर में भाजपा के प्रत्याशी अरविंद पटैरिया और चंदला के कांग्रेस प्रत्याशी हरप्रसाद अनुरागी ने लवकुशनगर में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

ललिता यादव ने छतरपुर के आरओ कार्यालय तहसील में जाकर अपने सीमित समर्थकों एवं भाजपा नेताओं के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। माना जा रहा है कि यह उनका मुहूर्त फार्म है वे कुछ दिनों के बाद अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए फार्म भरेंगी। इसी तरह राजनगर से भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटैरिया ने भी राजनगर के आरओ कार्यालय में सीमित समर्थकों के साथ अपना फार्म दाखिल कर दिया। उन्होंने बताया कि वे आज औपचारिक फार्म भर रहे हैं जल्द ही समर्थकों के साथ दोबारा नामांकन दाखिल करेंगे। इधर चंदला के कांग्रेस प्रत्याशी हरप्रसाद अनुरागी ने लवकुशनगर के तहसील कार्यालय में अपने समर्थकों एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष महाप्रसाद पटेल के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर हरप्रसाद ने कहा कि उनकी चुनावी प्राथमिकता क्षेत्र के किसानों को सिंचाई साधन उपलब्ध कराना है।

युवाओं के बीच चौपाल लगाकर विधायक ने बताई प्राथमिकता

युवाओं को रोजगार सम्पन्न बनाना मेरी प्राथमिकता : चतुर्वेदी

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर विधायक आलोक चतुर्वेदी पज्जन भैया के द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में निरंतर अपने क्षेत्र में जनसंपर्क कर लोगों से कांग्रेस के लिए समर्थन मांगा जा रहा है। इसी बीच उन्होंने सोमवार को नगर के वार्ड क्रमांक 38, 39, 13, 15 एवं 14 में तूफानी जनसंपर्क कर अनेक स्थानों पर जनता चौपालें लगाईं। इस मौके पर कई स्थानों पर विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

जनता के बीच पहुंचे विधायक आलोक चतुर्वेदी ने कहा कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में विपक्ष में रहते हुए भी निजी स्तर पर छतरपुर को आगे बढ़ाने का काम किया है। प्रदेश में इस बार जनता भाजपा की सरकार को उखाड़कर कांग्रेस की सरकार बना रही है। सरकार बनते ही हम छतरपुर जिले को रोजगार के क्षेत्र में अव्वल बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि वे निजी स्तर पर खेलो पढ़ो, आगे बढ़ो योजना के माध्यम से अपनी विधानसभा क्षेत्र के 10 हजार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें कौशल प्रशिक्षण दिलाएंगे। सिलाई, कढ़ाई, बुनाई से लेकर दूसरे ऐसे कार्य जिनमें युवतियां और महिलाएं आगे बढ़ें, इस दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने जनता से अपील की है कि क्षेत्र की बेरोजगारी को मिटाने के लिए कांग्रेस को अपना साथ दें ताकि हम छतरपुर को एक विकसित विधानसभा के रूप में तब्दील कर सकें। उन्होंने क्षेत्रवासियों को नवमीं और दशहरे की बधाई भी दी।

टिकट कटने पर छलका दर्द

रो पड़े विधायक राजेश प्रजापति

- लगाए टिकट बिकने के आरोप

छतरपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चंदला विधानसभा सीट के विधायक राजेश प्रजापति का टिकिट काटकर छतरपुर के भाजपा नेता दिलीप अहिरवार को प्रत्याशी बना दिया गया है। टिकिट कटने के बाद सोमवार को भाजपा विधायक राजेश प्रजापति का दर्द छलक पड़ा। वे चंदला क्षेत्र के प्रसिद्ध आल्हमदेवी मंदिर में अपने समर्थकों के साथ दर्शन करने गए थे। जब यहां पत्रकारों ने उनसे सवाल किए तो वे छलक पड़े।

राजेश प्रजापति ने मीडिया के कैमरों में आरोप लगाए हैं कि वे 2018 में अकेले प्रत्याशी थे जिसने जिले में भाजपा की नाक बचाई थी। वे अकेले ही जिले में कांग्रेसियों से जूझते रहे तब किसी संगठन ने उनकी मदद नहीं की। लोगों की सेवा के लिए रात-दिन काम करते रहे तब कोई उनकी मदद के लिए नहीं आया। लेकिन चुनाव के समय अचानक संगठन में बैठे कुछ लोगों ने उनके साथ धोखा कर दिया। राजेश प्रजापति ने आरोप लगाए हैं कि उनके क्षेत्र का टिकिट करोड़ों रूपए में बेचा गया है। राजेश प्रजापति ने कहा कि तीन दिन पहले मप्र के प्रभारी भूपेन्द्र यादव ने उन्हें टिकिट का आश्वासन देकर भोपाल से क्षेत्र में भेज दिया था लेकिन फिर कुछ लोगों ने उनका टिकिट कटवा दिया। राजेश प्रजापति का इशारा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा की तरफ था क्योंकि उनकी मौजूदगी में ही उनके समर्थकों ने वीडी शर्मा मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। सोशल मीडिया पर राजेश प्रजापति का वह वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है जिसमें वे अपनी पीड़ा को बताते हुए रो पड़े।

ग्राम टुडर, सुकवां, श्यामाझोर, नंदगांय, लक्ष्मनपुरा में जनसंपर्क कर मांगा आर्शीवाद

आप छतरपुर में कमल खिलाएं, मैं हमेशा आपकी सेवा करती रहूंगी : ललिता

छतरपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व मंत्री और छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की प्रत्याशी श्रीमती ललिता यादव ने ग्राम टुडर, सुकवां, श्यामाझोर, नंदगांय और लक्ष्मनपुरा में सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होने ग्रामीण मतदाताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर और चौपाल में नुक्कड सभा के माध्यम से गांव के विकास और भाजपा सरकार की जनहितकारी योजनाओं का सतत लाभ लेने के लिए छतरपुर से भाजपा का कमल खिलाने का निवेदन किया।

ग्राम टुडर में आयोजित चौपाल में दुर्गा मां के जयकारे लगाकर श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि आपके आर्शीवाद से मैं दो बार विधायक रही हूं। 10 वर्षीय कार्यकाल में मैने सेवक बनकर जो काम किए है, वे गांव में दिखते हैं। ईशानगर से टुडर होकर श्यामाझोर तक सीसी रोड बनाने का काम मेरे कार्यकाल में हुआ है। आपकी मांग पर कई ट्रांसफार्मर लगवाए हैं। इस गांव के 413 लाडली बहनों के खाते में 1250 रूपये भेजे जा रहे हैं, आप समर्थन देकर भाजपा की सरकार बनवाएंगे तो खाते में 1500 से 3000 रूपये तक डाले जाएंगे। इस बार हम तीसरी बार आपके पास समर्थन मांगने आए हैं आप मतदान के दिन कमल के फूल के आगे का बटन दबाकर विजयश्री का आर्शीवाद दीजिये।

धूमधाम से निकले जबारे शक्ति की भक्ति की उपासना पूर्ण

नौगाँव, देशबन्धु। नवरात्रि की 9 दिन की कठिन उपासना के बाद सोमवार को माँ शक्ति की जो फसल बोई जाती है और भक्त फसल को जल से सींचते सवारते है एवम कठिन उपासना ब्रत करते है 9 दिन बाद फसल को विसर्जित करते है उसी क्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भक्त दिवाले रखकर पूजा अर्चना करते है सोमवार शाम को सभी क्षेत्रों के जबारे चौराहों से घूमते हुए बड़ी देवी मंदिर में एकत्र होकर कुम्हार टोली से निकली नदी में विसर्जित करते है रास्ते मे जबारे देखने हजारो की संख्या म श्रदालु खड़े होकर सम्मान चढ़ावा करते है बड़ी शख्या में ढोल नगाड़ों के साथ के साथ बिसर्जन हुआ अब कल देवी प्रतिमाओं का बिसर्जन होगा जो धशान नदी के गरोंली घाट पर चाक चौबंद ब्यस्वस्थ के साथ किया जाएगा शाशन प्रशाशन, पुलिस , गोताखोर मोके पर मौजूद रहेंगे जिससे कोई घटना घटित ना हो सके।

प्रियंका गांधी से बिजावर सीट पर प्रत्याशी बदलने की मांग

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा के चुनाव अगले महीने हैं लेकिन चुनावों को लेकर सरगर्मी अभी से बढ़ गई है। पार्टियों के द्वारा सीटों पर अपने प्रत्याशी तय किए जा रहे हैं। कई सीटों पर इन प्रत्याशियों का जमकर विरोध हो रहा है। छतरपुर जिले की बिजावर विधानसभा सीट पर कांग्रेस द्वारा उतारे गए उप्र के नेता चरण सिंह यादव का विरोध भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। उनके खिलाफ कांग्रेस के तमाम स्थानीय नेता लगातार मोर्चा खोले हुए हैं। सोमवार को चरण सिंह यादव के पोस्टर पर क्रॉस का निशान लगाकर इन्हें कांग्रेस कार्यालय के बाहर चिपका दिया गया।पोस्टर में लिखा था कि प्रियंका गांधी हमारी सुनो, बिजावर मांगे क्षेत्रीय प्रत्याशी। इसी पोस्टर में लगाए गए चरण सिंह यादव के फोटो पर क्रॉस का निशान भी लगाया गया था। ये पोस्टर बिजावर क्षेत्र के स्थानीय कांग्रेसी नेताओं के द्वारा लगवाए गए हैं। इनमें राजेश सिंह पायक के समर्थक भी शामिल हैं। इन समर्थकों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने बिजावर सीट के साथ अन्याय किया है। यदि इस सीट पर कांग्रेस ने बाहरी प्रत्याशी नहीं बदला तो हम इसका विरोध करेंगे। उल्लेखनीय है कि भविष्य में प्रियंका गांधी का छतरपुर जिले में दौरा प्रस्तावित है। इसीलिए इन पोस्टरों में प्रियंका गांधी से प्रत्याशी बदलने की मांग की गई है।

शोधार्थी मोहित व नवीन ने बढ़ाया वाणिज्य विभाग का गौरव

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर के वाणिज्य विभाग में पीएचडी कर रहे शोधार्थी मोहित व नवीन ने आईसीएसएसआर द्वारा आयोजित वर्कशाप में भाग लेकर अपने साथ साथ वाणिज्य विभाग तथा विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है।

वाणिज्य के प्राध्यापक डा बीके अग्रवाल ने बताया कि शोधछात्र मोहित ने अल्गप्पा विश्वविद्यालय तमिलनाडु में आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला तथा नवीन ने एमपीआईएसएसआर उज्जैन में आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला में अनुसंधान क्रियाविधि कार्यक्रम में चयनित होकर रिसर्च की बारीकियों को समझा है साथ ही अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर सभी की सराहना पाई।

उल्लेखनीय है कि मेधावी मोहित (नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण) ने इससे पहले उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के शासकीय पीजी कॉलेज में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित नेशनल सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया था। उल्लेखनीय है कि दोनों होनहार शोध छात्र एमसीबीयू छतरपुर में वाणिज्य के प्राध्यापक डा.सुमति प्रकाश जैन के मार्गदर्शन में पीएचडी कर रहे हैं।

इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष डा डीपी शुक्ला, डा. प्रभा अग्रवाल, डा. बीके अग्रवाल, डा. ओपी अरजरिया, डा एसपी जैन, डा. अशोक निगम, डा नितेश मिश्रा सहित सभी शोधार्थियों ने इन दोनों शोधार्थियों को बधाई दी है।

नृत्य के माध्यम से की माता की आराधना

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के विद्यावती कॉलेज के समीप आयोजित किए गए गरबा महोत्सव में इस बार महिलाओं और युवतियों सहित छोटी बच्चियों ने अपने अनूठे नृत्य के माध्यम से माता की आराधना की। राधे सेवा फाउण्डेशन के अध्यक्ष नितिन पटैरिया के द्वारा आयोजित किए गए इस गरबा महोत्सव की आखिरी शाम सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक बतौर अतिथि मौजूद रहे। मंच पर चिकित्सक डॉ. राजेश खरे, समाजसेवी अंजू विपिन अवस्थी, पैथालॉजी एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार अंकुर यादव, राधेश्याम सोनी, रक्तवीर सेवाल दल के अमित जैन, विद्यावती कॉलेज की डायरेक्टर अंजना चतुर्वेदी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। आयोजन के दौरान निकिता, लवली, भूमि, निशांत, हर्ष, शिल्पा, खुशबू, भूपेन्द्र, ऋतिक, कीर्ति, राकेश, सौरभ, अमन, गोलू, मयंक पाण्डेय, मुकेश, अंजली, संदीप, प्रियंका, कामिनी और निहारिका के नृत्य दलों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं।

दशहरा मैदान पर तैयारी पूरी

आज होगा दशानन का वध, 45 फिट के रावण का दहन

नौगांव, देशबन्धु। *शहर की ऐतिहासिक रामलीला के 119 वें वर्ष के चलते रामलीला के मंच पर सोमवार नवमीं की रात अंगद-रावण संवाद, लक्ष्मण-शक्ति, कुंभकरण वध, मेघनाथ वध सहित अनेक मनमोहक एवं रोमांचक लीलाओं का मंचन किया गया। इसके साथ ही आज मंगलवार की शाम दशहरा मैदान पर प्रभु श्रीराम के हाथों दशानन का वध होते ही रावण का अहंकार जल कर खाक हो जाएगा। जिसके लिए दशहरा मैदान पूरी तरह से सज कर तैयार है। जहाँ पर आज 45 फिट के रावण का पुतला रूपी दहन किया जायेगा।*

शहर में चल रही बुंदेलखंड क्षेत्र की सबसे प्राचीन रामलीला के मंच पर मंचन की अंतिम रात सोमवार को विभीषण शरणागति के पश्चात वानर सेना के द्वारा सागर पर प्रभु श्रीराम का नाम लिखकर पत्थर से सेतु बांधकर रामेश्वरम की स्थापना की। भगवान राम लंका पहुंचे। रामलीला मंचन देखकर श्रोता भावभिभोर हो गए। मंच पर जब मेघनाथ युद्ध करने आया तो

लक्ष्मण से विजय प्राप्त नही हो पा रही थी तब मेघनाथ ने ब्रम्हशक्ति का प्रहार कर भ्राता लक्ष्मण को मूर्छित कर दिया। शक्ति लगते ही रामदल शोक ग्रस्त हो गया। सुखेन वैद्य के कहने पर रामभक्त हनुमान संजीवनी बूटी लेकर आये और लक्ष्मण फिर से उठ खड़े हुए और मेघनाद का वध कर दिया। जब यह समाचार रावण को मिला तो कोई रास्ता नजर न आने पर अपने महाबली भाई कुंभकरण को समय से पहले जगाया और युद्ध में जाने के लिए कहा जिसके बाद प्रभु श्रीराम ने महाबली कुंभकरण का वध किया और लक्ष्मण ने मेघनाद का वध किया।

आज होगा अहंकारी दशानन का वध, दशहरा मैदान में तैयारी पूरी : *आज मंगलवार की शाम दशहरा मैदान पर प्रभु श्रीराम और रावण के बीच युद्ध की लीला का मंचन होगा, जिसमें प्रभु श्रीराम के द्वारा रावण का वध किया जाएगा। जिसके बाद हनुमान जी के हाथों दशहरा मैदान में 45 फुट के रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। दशहरा मैदान में शाम को होने वाली लीला और पुतला दहन के लिए रामलीला समिति के द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई हैं, जिसके लिए रामलीला समिति के द्वारा दशहरा मैदान पर दहन के लिए 45 फुट के रावण का पुतला निर्माण के साथ आकर्षक, साज सज्जा, आतिशबाजी सहित अन्य तैयारी पूरी कर ली गई हैं। जिसमें आज मंगलवार शाम 7 बजे गौधूली की बेला में रावण दहन किया जाएगा।*

श्रीरामलीला में स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला का सजीव मंचन किया जा रहा है, स्थानीय कलाकरों द्वारा की जा रही रामलीला देखकर दर्शक अति आनंदित हो रहे है। श्री रामलीला के मंच पर नगर के कलाकारों द्वारा सोमवार को रोहित नायक के द्वारा मेघनाद, पुनीत मेहरोत्रा कुम्भकरण, पुलकित श्रीवास्तव कालनैमी, नरेश पचौरी सुखेन वैध,आनंद लप्पू शुक्ला ने मशखरा विदूषक का अभिनय करके लोगों को खूब रोमांचित किया।वहीँ पात्र निभा रहे स्वरूपों की शंग्रार सज्जा में पुनीत मेहरोत्रा, गोपाल कठैल, विकल्प पाठक, प्रिंस अग्रवाल सहित अनेक रामभक्त रामलीला में अपना सहयोग दे रहें।

सागर, मंगलवार 24 अक्टूबर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

क्या वे अभी भी ज़िंदा हैं!

इज़राइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग में तबाही का दर्दनाक मंजर देखने को मिल रहा है। चारों तरफ मलबे के ढेर और उनके बीच पड़ी लाशें, जैसे तैसे अपने-आपको बचाते लोग, अपने बच्चों को गोद में लेकर भागते या एक दूसरे को तलाशते घायल मां-बाप, कफ़न में लिपटे अपने बच्चे को गोद में लिये बैठी मां, घायलों का इलाज करते-करते अचानक अपने बेटे की लाश देखकर काठ बन जानेवाला डॉक्टर - इस तरह की हजारों तस्वीरें और वीडियो रोज़ हमारी आंखों के सामने से गुज़र रहे हैं। ऐसे ही एक वीडियो एक बच्चा दिखाई दे रहा है जिसका चेहरा बमबारी से उठे गुबार से सना हुआ है, जिसकी गर्दन की चमड़ी निकल चुकी है और वह किसी से पूछ रहा है- 'क्या मैं अभी भी ज़िंदा हूँ !'

सामान्य परिस्थितियों में इसे एक मासूम सवाल माना जा सकता था, इस पर हंसा भी जा सकता था। लेकिन किसी भी संवेदनशील इंसान का कलेजा इस सवाल पर मुंह को आ सकता है। अफ़सोस कि एक समुदाय विशेष के लोगों को मरते हुए देखकर खुश होने वाले कट्टरपंथियों और नफ़रत फैलाकर टीआरपी बटोरने वाले हमारे खबरिया चैनलों को ऐसे सवालों से, ऐसे नज़ारों से कोई फ़र्क नहीं पड़ रहा है। जिन चैनलों में इतना साहस नहीं है कि ज़मीनी हक़ीक़त जानने-बताने के लिए वे अपने संवाददाताओं को मणिपुर भेज सकें, उन्होंने इज़राइल में अपने एंकरों और सम्पादकों को तैनात कर दिया है। युद्ध को लेकर भारत सरकार भले ही तटस्थ हो गयी हो, चैनलों पर मनगढ़ंत कार्यक्रमों का प्रसारण तो जारी है।

दूसरी तरफ इज़राइल के समर्थन में उठ खड़ी होने वाली वाली बिरादरी है, जिसके तथाकथित नेताओं में से एक यति नरसिंहानंद हैं। गाज़ियाबाद के डासना मंदिर के इन महंत ने कहा है कि वे खुद एक हज़ार सन्यासियों के साथ इज़रायली दूतावास जाकर वहां की सरकार को लिखित सुझाव देंगे और इस युद्ध में इजराइल की तरफ से लड़ने की अनुमति मांगेंगे। यति नरसिंहानंद ने यह मांग करते हुए अपना एक वीडियो जारी किया है। ऐसा ही एक वीडियो मेरठ के किसी सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी का है, जो एक छोटे से समूह के साथ इज़रायली दूतावास पर पहुंचा और मीडिया के सामने कहा कि लड़ाई के लिये इज़राइल को जितने भी लोगों की ज़रुरत है, वह ले जाने को तैयार है।

जब भारत समेत सारी दुनिया में इज़राइल-फिलिस्तीन युद्ध रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं, खुद इज़राइल की जनता सड़कों पर उतर कर अपने प्रधानमंत्री से युद्ध विराम करने को कह रही है, तब हमारे यहां सिरफिरों की जमात अपनी जांघ उघाड़कर दिखा रही है। एक मशहूर डच अभिनेता रामसे नासर एक लोकप्रिय टीवी शो में जब ये भावुक कर देने वाली अपील कर रहा है कि गाज़ा में रह रहे, घायल हो रहे और मर रहे लोगों को संख्या नहीं, इंसान माना जाये, तब हमारे यहां एक चैनल का स्वनाम धन्य सम्पादक बहुत ही हास्यास्पद तरीके से यहूदियों का सम्बन्ध यादवों से जोड़ रहा है। हिन्दी के एक प्रतिष्ठित लेखक और चिन्तक ने ठीक ही कहा है कि 'हम भारतीय अपनी मूर्खता का उत्सव मना रहे हैं।'

इस सन्दर्भ में अमेरिकी/बेल्जियम/ब्रिटिश पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता एंड्रयू स्ट्रोहेलिन का कथन बिलकुल सटीक बैठता है कि 'जब मैं लोगों से कहता हूँ कि बच्चे मारे जा रहे हैं तो गुस्सा ज़ाहिर करें या हत्याओं को जायज़ ठहरायें - ये तय करने के लिए वे जानना चाहते हैं कौनसे बच्चे! बच्चों की पहचान पूछकर जागने वाली इंसानियत ही दरअसल सबसे बड़ी समस्या है।' दुखद है कि बड़ी संख्या में भारतीय भी इसी मानसिकता के शिकार हो गये हैं। कभी उन्हें मणिपुर में एक समुदाय को प्रताड़ित होते देख मज़ा आता है तो कभी देश के भीतर-बाहर दूसरे समुदाय के लोगों को मरते देख तालियां बजाते हैं। मानवता-जो एक स्वाभाविक गुण होना चाहिये, उनके लिये धर्म, जाति या नस्ल देखकर जागने वाला भाव बन गया है।

ऐसे लोगों से पूछा जाना चाहिये - क्या वे अभी भी ज़िंदा हैं!

सरकारी संकल्प यात्रा या मोदी प्रचार यात्रा

नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के ऐन आखिर में, देश एक ऐसी बहस देख रहा है, जिसकी किसी ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। बहस इस पर है कि क्या पूरे सरकारी तंत्र को सीधे-सीधे, सरकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों के प्रचार के नाम पर, सत्ताधारी पार्टी के कामयाबी के दावों के प्रचार में झोंका जा सकता है। यह बहस मोदी प्रशासन के 17 अक्टूबर के सर्कुलर से उठी है, जिसमें सभी सरकारी विभागों को कथित ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के लिए संयुक्त सचिव/निदेशक/डिप्टी सेक्रेटरी स्तर के अधिकारियों को 'रथ प्रभारी' नियुक्त करने का आदेश दिया गया है। उक्त संकल्प यात्रा 20 नवंबर से 2023 से 25 जनवरी 2024 तक निकाली जानी है और इसके दायरे में देश के सभी 765 जिलों और 2.69 ग्राम ग्राम पंचायतों को कवर किया जाना है। सरकारी सर्कुलर के ही अनुसार, इस पूरी मुहिम का मकसद मोदी सरकार की 'पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों को शोकेस, सेलिब्रेट करना है।'

वैसे तो इस सर्कुलर में 'सभी मंत्रालयों' को जिस तरह शामिल किया गया है, उसमें रक्षा मंत्रालय भी आ ही जाता है। बहरहाल, इसी दौरान रक्षा मंत्रालय द्वारा और जाहिर है कि इसी कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर, देश भर में सैन्य संगठनों से जुड़े साढ़े सात सौ से ज्यादा स्थानों पर 'सैल्फी पाइंट' बनाए जाने का फैसला लिया गया है, जहां केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। पुणे में सशस्त्र बलों के अस्पताल के ऐसे ही सैल्फी पाइंट की तस्वीरें भी मीडिया में आ चुकी हैं, जिससे यह भी साफ है कि सेल्फी के पीछे विचार, प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर के साथ सैल्फी लेने का ही है। वास्तव में सशस्त्र बलों को भी औपचारिक रूप से सरकारी योजनाओं के प्रचार किंतु वास्तव में मौजूदा शासन के प्रचार के रथ में जोते जाने के वर्तमान शासन के इरादे तो तभी साफ हो गए थे, जब छुट्टी पर घर जाने वाले सैनिकों के लिए, वहां जाकर सरकारी योजनाओं का प्रचार करने का फरमान जारी किया गया था। हां! उक्त फरमान खुद सैन्य तंत्र के अंदर से आया था, जबकि अब यह आदेश सैन्य बलों को दूसरे सभी सरकारी विभागों वाले ही डंडे से हांकता है।

हैरानी की बात नहीं है कि अनेक पुराने वरिष्ठ नौकरशाहों ने, उच्च पदस्थ नौकरशाहों को 'रथ प्रभारी' नियुक्त किए जाने समेत, इस समूचे विचार को ही अकल्पनीय तथा आश्चर्यजनक करार दिया है। उन्होंने स्वाभाविक रूप से यह भी याद दिलाया है कि सरकार के पास अपना अलग प्रचार विभाग है, जिसका काम ही सरकार के कार्यक्रमों, योजनाओं आदि का और जाहिर है कि उपलब्धियों का भी प्रचार करना है। उन्होंने इस आदेश में नौकरशाही के राजनीतिकरण का खतरा छुपा माना है और यह भी कहा है कि यह आदेश, राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही के बीच की विभाजक रेखा को मिटाता है। सैन्य बलों के संदर्भ में इस अतिक्रमण को और भी खतरनाक बताया गया है। इस खास मामले में यह भी याद दिलाया गया है कि यह सब विधानसभा चुनावों के मौजूदा चरण और चंद महीनों में ही होने जा रहे आम चुनावों की पृष्ठभूमि में हो रहा है, और इसलिए यह और भी आपत्तिजनक है। इतना ही नहीं, वास्तव में उक्त आदेश तो, पांच विधानसभाओं के चुनाव के संदर्भ में, आदर्श चुनाव संहिता लागू हो चुके होने के बाद आया है। इस संदर्भ में कुछ वरिष्ठ पूर्व-नौकरशाहों ने चुनाव आयोग को पत्र भी लिखा है और उससे इस अतिक्रमण को रोकने का भी आग्रह किया है।

स्वाभाविक रूप से मुख्य विपक्षी पार्टी, कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने सरकारी नौकरशाही के इस सरासर दुरुपयोग पर आपत्ति की है। कांग्रेस के अखिल भारतीय अध्यक्ष, खडगे ने इस सिलसिले में प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर विरोध जताया है और नौकरशाही को इस तरह सत्ताधारी पार्टी के प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं किए जाने की मांग की है। लेकिन, प्रधानमंत्री ने खुद तो विपक्ष के नेता के इस पत्र का जवाब नहीं दिया है, जैसा कि मोदी राज के नौ साल में कायदा ही बन चुका है। प्रधानमंत्री को भेजे के गए पत्र का जवाब भाजपा अध्यक्ष, जेपी नड्डा और भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख, मालवीय से दिलवाया गया है। यह जवाब, चतुराई से कम और दीदा दिलेरी से ज्यादा, यही दिखाने की कोशिश करता है कि 'पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों को शोकेस, सेलिब्रेट करना' वाकई वैध बल्कि बहुत ही जरूरी सरकारी कार्य है और नौकरशाहों को इस काम में लगाना बिल्कुल उचित है। अगर पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था तो इसलिए कि आम जनता के स्तर तक सरकार की योजनाओं को ले जाने की वैसी कोशिश ही कहां की गई थी, जैसी कोशिश नरेंद्र मोदी के राज में की जा रही है!

वैसे तो सरकार के सामने उठाए गए सवालों का जवाब, सत्ताधारी पार्टी के नेताओं तथा प्रवक्ताओं का देना, खुद ही सरकार और सत्ताधारी पार्टी में विभाजन की रेखा के धुंधला किए जाने का ही साक्ष्य है। बहरहाल, इस जवाब में सत्ताधारी पार्टी ने सवा-चतुराई से और बार-बार दोहराकर, यह दिखाने की कोशिश की है कि जैसे दो महीने से ज्यादा का उक्त 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम, सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए है और इसलिए जनहित में बहुत जरूरी है। इस संदर्भ में उनके बयानों में बार-बार, केंद्र की योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ लोगों तक पहुंचाने का दावा किया गया है और इस सिलसिले में बार-बार कुछ बेढंगे तरीके से 'सैचुरेशन' शब्द का इस्तेमाल किया गया है, जैसे यह पूरी कवायद गांधी की कल्पना के अनुसार, कतार के आखिरी व्यक्ति तक 'लाभ' पहुंचाने के लिए की जा रही हो! लेकिन, यह अर्द्ध-सत्य से असत्य तक का सहारा लिए जाने का ही मामला है। वर्ना यह बिल्कुल साफ है कि उक्त कथित संकल्प यात्रा, अपनी पूरी संकल्पना में, जिसमें कथित 'रथों' का उपयोग भी शामिल है, न सिर्फ एक शुद्ध प्रचार कसरत है बल्कि खास संघ-भाजपा मॉडल की प्रचार कसरत है, जो संयोग ही नहीं है कि बहुत हद तक उनका चुनावी प्रचार का मॉडल ही है। इस इकतरफा लेन-देन में आम लोगों के लिए सिर्फ एक ही जगह है—इस प्रचार के श्रोता या दर्शक की।

राजेंद्र शर्मा

यह सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के प्रचार का ही मामला होता, तब भी गनीमत थी, हालांकि तब भी इससे जनता को कोई लाभ हासिल नहीं हो रहा होता। नरेंद्र मोदी के राज में जिस तरह से हरेक योजना तथा उसके प्रचार को, नरेंद्र मोदी के ब्रांड के प्रचार के साधन में तब्दील कर दिया गया है, उसे देखते हुए यह योजनाओं, कार्यक्रमों तथा उनकी उपलब्धियों के दावों के बहाने, प्रधानमंत्री की छवि के प्रचार-प्रसार का मामला जाता है।

फिर भी यह सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के प्रचार का ही मामला होता, तब भी गनीमत थी, हालांकि तब भी इससे जनता को कोई लाभ हासिल नहीं हो रहा होता। नरेंद्र मोदी के राज में जिस तरह से हरेक योजना तथा उसके प्रचार को, नरेंद्र मोदी के ब्रांड के प्रचार के साधन में तब्दील कर दिया गया है, उसे देखते हुए यह योजनाओं, कार्यक्रमों तथा उनकी उपलब्धियों के दावों के बहाने, प्रधानमंत्री की छवि के प्रचार-प्रसार का मामला जाता है। सैन्य संस्थाओं में निर्मित हो रहे 'मोदी संग सैल्फी' के पाइंट, इसी का भोंडा प्रदर्शन करते हैं। यानी यह सिर्फ नौ साल की उपलब्धियों के मोदी सरकार के अतिरंजित से लेकर झूठे तक दावों के प्रचार का भी मामला नहीं है। यह तो राजनीतिक प्रचार का और उससे भी बढ़कर एक नेता की छवि के प्रचार का मामला है। जिस एक नेता की छवि का प्रचार किया जाना है, वह चाहे देश का प्रधानमंत्री ही क्यों न हो, हमारे देश की संवैधानिक व्यवस्था, इस काम में सरकार को और सरकारी नौकरशाही को जोते जाने की इजाजत हर्गिज नहीं देती है। इस सिलसिले में 1975 में इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किए जाने के चर्चित प्रकरण की याद दिलाना काफी होगा, जिसके चलते देश को उन्नीस महीने का इमरजेंसी राज देखना पड़ा था। याद रहे कि इंदिरा गांधी पर, अपने चुनाव प्रचार के लिए, एक सरकारी अधिकारी की मदद लेने का ही आरोप था!

लेकिन, नरेंद्र मोदी के राज में तो मोदी ही छवि बनाना और इससे संबंधित प्रचार ही, सत्ताधारी दल तथा उसके समर्थकों का ही नहीं, सरकारी तंत्र तथा नौकरशाही का भी, सबसे बड़ा पुरुषार्थ बना दिया गया है। ठीक इसी उद्देश्य के लिए आयोजित किए जा रहे 'पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों को शोकेस, सेलिब्रेट' करने के, चुनाव से ऐन पहले दो महीने लंबे 'सरकारी' अभियान के लिए, इस अर्द्धसत्य और असत्य की ओट लेने में, उन्हें तनिक भी झिझक नहीं हुई है कि यह जनता तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए है। बहरहाल, मोदी की भाजपा को अगर नौ साल बाद भी सरकारी तंत्र के मनमाने इस्तेमाल के लिए इस तरह अर्द्ध-सत्य और झूठ की आड़ लेनी पड़ रही है, तो भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था व संस्थाओं की मौजूदगी के बावजूद, शासन की मनमानी को रोकपाने में उनकी कमजोरी को भी दिखाता है।

मोदी राज ने झूठ की आड़ लेकर और चोरी-चोरी, लुक-छिपकर, अपनी तानाशाही को आगे बढ़ाते जाने में इन नौ वर्षों में खास महारत हासिल कर ली है। चुनाव आयोग समेत विभिन्न संस्थाओं को पूरी तरह काबू में किया जाना और उच्च न्यायापालिका की स्वतंत्रता तक का काफी हद तक अपहरण किया जाना, इसी के संकेतक हैं। ऐसे में नौकरशाही का, सत्ताधारी पार्टी के प्रचार और उससे भी बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी के छवि निर्माण में जोता जाना तो मामूली बात है। यह दूसरी बात है कि इतनी नंगई से नौकरशाही का सीधे राजनीतिक इस्तेमाल किए जाने की जरूरत, सत्ताधारी पार्टी की हताशा को तो दिखाती ही है। यूं ही कोई ऐसे बदहवासी के काम नहीं करता, उसके पीछे कुछ तो मजबूरियां होंगी। और सारे आसार इसी के हैं कि आगे-आगे यह हताशा और बढ़ेगी; झूठ और धोखे के सहारे नियम-कायदों के और अतिक्रमण होंगे।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

रावण मर गया !

■ ज़ाहिद ख़ान

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक त्यौहार 'विजयादशमी' हर साल पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरे से पहले कई जगह 'रामलीला' होती हैं। एक दौर था, जब 'रामलीला' सभी के आकर्षण का केन्द्र हुआ करती थीं। लोगों को इसका साल भर इंतज़ार रहता था। अदाकारी के शौक़ीन 'रामलीला' में अपना पार्ट करने के लिए महीनों तैयारी करते थे। इसके लिए बाक़ायदा चंदा होता और वे इंतज़ाम में जुट जाते। 'रामलीला' की शुरुआत से ही लोग पूरी अक़ीदत से इसे रात-रात भर देखते थे। लेकिन देखते-देखते वक़्त बदला, लोगों की दिलचस्पियां भी बदल गईं। नई पीढ़ी में 'रामलीला' का वह पहले जैसा क्रेज नहीं रहा। तथाकथित आधुनिकता की बयार, बाज़ारवाद और ज़िंदगी की जद्दोजहद ने हमारे तमाम त्यौहारों से उनकी रौनक छीन ली। त्यौहार भी औपचारिक होकर रह गए। इन त्यौहारों पर अब पहले जैसा जश्न, साम्प्रदायिक सद्भाव और चेहरे पर कहीं खुशियां देखने को नहीं मिलतीं। साम्प्रदायिक सद्भाव, खुलूस, मुहब्बत, आपसी भाईचारा और हमारे त्यौहारों को भी जैसे ज़माने की नज़र लग गई।

मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के निवासी मेरे नाना समशेर खां अपने नगर में हर साल दशहरे पर होने वाली 'रामलीला' में रावण का किरदार अदा करते थे। नानी के घर की दीवार पर आज भी रावण के गेटअप में उनकी एक आकर्षक तस्वीर लगी हुई है। इस तस्वीर को देखने से एहसास होता है कि अपने गेटअप और मेकअप के लिए नाना, ख़ासी तैयारी किया करते थे।

मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले के निवासी मेरे नाना समशेर खां अपने नगर में हर साल दशहरे पर होने वाली 'रामलीला' में रावण का किरदार अदा करते थे। नानी के घर की दीवार पर आज भी रावण के गेटअप में उनकी एक आकर्षक तस्वीर लगी हुई है। इस तस्वीर को देखने से एहसास होता है कि अपने गेटअप और मेकअप के लिए नाना, ख़ासी तैयारी किया करते थे। उस ज़माने में यानी आज से चार—पांच दशक पहले, जब मेकअप और ड्रेसें परम्परागत तौर पर बनाई जाती थीं। सीमित संसाधनों में अत्याधिक प्रभाव पैदा करने के लिए क्या—क्या जुगत भिड़ाना पड़ती होगी? इस तस्वीर को देखने से मालूम चलता है। इस तस्वीर के अलावा दीवार पर एक और तस्वीर लगी हुई है, इस तस्वीर में नाना कंस के गेटअप में बाल कन्हैया को एक हाथ से ऊपर उठाए हुए हैं। टीकमगढ़ की चार दशक से ज़्यादा पुरानी यह 'रामलीला' और 'कृष्णलीला' तो मैंने नहीं देखी। लेकिन बचपन की एक बात, जो मुझे अभी तलक याद है, नाना दीपावली पर लक्ष्मीजी की पूजा भी करते थे। पूजा के बाद हम बच्चों को खीलें—बताशे और मिठाईयां मिलतीं। भले ही नाना के इंतिक़ाल के बाद, उनके घर में यह परम्परा ख़त्म हो गई हो। लेकिन इस रिवायत को मेरी मां ने हमारे यहां ज़िंदा रखा। हमारे छोटे से नगर शिवपुरी में भी उन दिनों, दो जगह पर 'रामलीला' खेली जाती थी। मां दोनों ही रामलीला में हम बच्चों को साथ ले जातीं। जिसका हम जी भरकर लुत्फ़ उठाते। ख़ास तौर पर भगवान राम, उनकी वानर सेना और रावण की सेना के बीच चलने वाला युद्ध हम बच्चों को ख़ूब रास आता। उन दिनों रामलीला का ख़ुमार हम बच्चों पर इस क़दर छा जाता कि बांस की पतली डंडियों के छोटे—छोटे धनुष—बाण बनाकर आपस में खेला करते। कुछ बच्चे हनुमानजी की गदा बनाकर, जिसे हम सोठा कहते थे हनुमानजी का अभिनय करते। जिस मोहल्ले में मेरा बचपन गुज़रा, वहां होली—दीवाली—रक्षाबंधन गोया कि हर त्यौहार, मज़हब की तमाम दीवारों से ऊपर उठकर, हम पूरे जोश—ओ—ख़रोश से मनाते थे। आज भी यह परम्परा टूटी नहीं है। बस उन्हें मनाने का अंदाज़ बदल गया है।

'रामलीला' में अदाकारी के जानिब नाना के जुनून, ज़ौक़ और शौक़ की कुछ दिलचस्प बातें, मेरी मां अक्सर बतलाया करती हैं। मसलन नाना 'रामलीला' के लिए घर से ही तैयार होकर जाया करते थे। उन्हें रामायण की तमाम चौपाईयां मुंहज़बानी याद थी। रावण के अलावा 'रामलीला' में वे ज़रूरत के मुताबिक और भी किरदार निभा लिया करते थे। रावण का किरदार उन्होंने अपनी ज़िंदगी के आख़िर तक निभाया। उनकी बीमारी की हालत में भी 'रामलीला' के संयोजकों ने उनसे नाता नहीं तोड़ा। उनकी नाना से गुज़ारिश होती कि वे बस तैयार होकर, रामलीला स्थल पर आ जाएं। बाकी वे संभाल लेंगे। जैसा कि अमूमन होता है, मंच पर आते ही हर कलाकार ज़िंदा हो जाता है। वह अपने किरदार में इस तरह ढल जाता है, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो। ऐसा ही नाना के साथ होता और वे बीमारी की हालत में भी अपना रोल अच्छी तरह से निभा जाते। सबसे दिलचस्प बात, जिसे मेरी मां ने बतलाया, नाना के इंतिक़ाल (निधन) के बाद एक मर्तबा दशहरे के वक्त वह टीकमगढ़ में ही थीं। दशहरा का जुलूस निकला, तो ज़ाहिर है कि वे उसे देखने पहुंची। जुलूस देखा, तो उन्हें काफ़ी निराशा हुई और उन्होंने पास ही खड़ी एक बुजुर्ग महिला से बुंदेली बोली में पूछा, 'काहे अम्मा ऐसा जुलूस निकलत, ईमें रावण तो हैई नईएं?'

बुजुर्ग महिला ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'का बताएं बिन्नू, रावण ही मर गया।'

मां ने हैरानी से पूछा, 'रावण मर गया!'

'हां बेन, रावण मर गया। जो भईय्या रावण का पार्ट करत थे, वे नहीं रहे। वे नहीं रहे, तो रामलीला भी बंद हो गई।'

पावन प्रसंग

रावण का चरित्र भी देता है शिक्षा

हर पौराणिक चरित्र भी हमें जिंदगी का कोई सबक दे जाता है। हर किसी की जिद से कुछ-न-कुछ सीखा जा सकता है। पात्र नायक हो या खलनायक उसके जीवन से बहुत कुछ लिया जा सकता है। ऐसी गलतियां जो रावण ने कीं वो हम जीवन में कभी न दोहराएं। रावण ने महापंडित होते हुए भी क्या गलतियां कीं और इससे हम आज के जीवन में कैसे सबक ले सकते है, आइये जानते हैं।

सूचना तंत्र-रामायण के मुताबिक रावण ने कभी अपने राज्य में कोई गुप्तचर नहीं रखे। इसलिए महाशक्तिशाली होते हुए भी उसका सूचना तंत्र कमजोर रहा। हम आज जहां हैं, वहां सूचना तंत्र मजबूत होना चाहिए। मैनेजमेंट के इस दौर में बिना सूचना तंत्र काम करना मुश्किल होता है। वैसे तूलसीकृत रामचरित मानस में रावण के गुसचर तंत्र में उल्लेख है। सुंदरकांड में विभीषण के पीछे रावण ने अपने गुप्तचर भेजे थे, मगर उन गुप्तचरों की सूचना पर रावण ने हँसी में उड़ा दिया, यदि उसने राम की सैन्य शक्ति संबंधी गुप्तचरों की सूचना पर अमल किया होता, तो रामायण का परिणाम कुछ और भी हो सकता था।

अभिमान न करें-रावण की दूसरी कमजोरी यह थी कि वह किसी की सलाह पर ध्यान नहीं देता था। उसे खुद की शक्ति का इतना अभिमान था कि उसने कभी मंत्रियों, परिजनों और अपने मित्रों का कहना नहीं माना। हम इससे सीख सकते हैं कि जीवन में सफलता केवल शक्ति से नहीं मिलती, इसके लिए अच्छे सलाहकारों की भी आवश्यकता होती है।

संतोष- रावण को कभी किसी भी बात में संतोष नहीं होता था, तीनों लोकों पर विजय और हजारों पत्नियों के बावजूद भी उसे भोग और बिलास दोनों से संतुष्टि नहीं थी। इसलिए सीता का अपहरण किया। हमें अपने सामर्थ्य के अनुसार सफलता मिलने के बाद जीवन में उसका आनंद भी लेना चाहिए न कि फिर हम कुछ और हासिल करने में जुट जाएं। जीवन में संतुष्टि का भाव भी होना चाहिए।

अति विश्वास घातक-अति आत्मविश्वास कई बार मुसीबत में डाल सकता है। रावण का खुद की शक्ति पर अति विश्वास ही उसके पतन का कारण बना।

शत्रु को कम न समझें-रावण बिना किसी की शक्ति का अनुमान लगाए, भिड़ जाता था, इसलिए उसने कई बार हार का सामना ही नहीं किया बल्कि उसे शर्मिंदा भी होना पड़ा। भगवान शिव, बलि, सहस्त्राहार्जुन और राजा बलि से वह बिना शक्ति का अनुमान लगाए युद्ध करने पहुंच गया और हार का सामना करना पड़ा। हम जब भी से प्रतिस्पर्धा करें यह भलीभांति देख लेना चाहिए कि हमारा दुश्मन कितना शक्तिशाली है।

सही सलाहकार रखें-हमेशा विपरीत मानसिकता वाले व्यक्ति का अपमान भी नहीं करना चाहिए। अगर आपके साथ कोई आपकी सोच के खिलाफ भी विचार रखने वाला हो तो उसे कभी प्रताड़ित या अपने समूह से निकालना नहीं चाहिए। रावण ने विभीषण को लंका से अपमानित किया यही गलती की थी। अगर वह विभीषण की बातें मान लेता तो शायद उसका इतना बुरा हश्र नहीं होता।

कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

स्मार्टफोन से बच्चे स्मार्ट से अधिक आक्रामक बन रहे हैं

सूचना क्रांति के इस दौर में पूरी दुनिया ग्लोबल विलेज बन गई है। आज तमाम अद्यतन जानकारी, सूचना, तकनीकी अनुसंधान, पठन-पाठन आदि मानव जीवन के लिए आसान और सर्वसुलभ हो गया है। सबसे ज्यादा शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव आया है। अब घर बैठे स्मार्टफोन, टैबलेट, लैपटॉप, कम्प्यूटर आदि को इंटरनेट के जरिए कनेक्ट करके बहुत तीव्रता और शुद्धता के साथ नवीनतम और अद्यतन ज्ञान को प्राप्त करना सुलभ हो गया है। ऐसे में इंटरनेट की सुविधा के सदुपयोग करने वाले विद्यार्थी स्कूली परीक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर अनुसंधानात्मक तथा तथ्यात्मक प्रक्रिया को अपनाकर नित्य नए प्रतिमान गढ़ रहे हैं। कोरोना काल में इंटरनेट के जरिए ऑनलाइन शिक्षा की बदौलत ही प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक अलख जगाना सर्वसुलभ व संभव हो सका था। कई बड़ी एजुकेशनल कंपनियां अस्तित्व में आई और आज पूरे देश-विदेश में डिप्लोमा, डिग्री, मास्टर तक की ऑनलाइन संभव हो सकी है। सामान्य शिक्षा के अलावा तकनीकी शिक्षा को भी इंटरनेट के माध्यम से वैश्विक स्तर पर स्थापित करना बेहद फायदेमंद रहा है।

यूएन की एजेंसी इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी की रिपोर्ट की मानें तो पूरी दुनिया में 3.9 अरब लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत में 2007 में सिर्फ 4 प्रतिशत की तुलना में 2022 में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या लगभग 48.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है। जबकि भारत में इंटरनेट की शुरुआत 15 अगस्त, 1995 को विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा की गई थी। 27 मार्च, 2023 को संसद में शिक्षा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े के अनुसार भारत के तकरीबन 24 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में इंटरनेट की सुविधा है। विद्यार्थी जीवन में सोशल साइट्स- गूगल सर्च इंजन, एआई, यूट्यूब, टेलीग्राम, ट्विटर, जी-मेल, लर्निंग एप्प आदि ज्ञान को अतिशीघ्र पहुंचाने का सशक्त और नि:शुल्क साधन है। जहां विद्यार्थी सकारात्मक सामग्रियों को सर्च कर अपने पाठ्यगामी प्रक्रिया को संपन्न कर सकते हैं। प्राइवेट स्कूल की तरह सरकारी स्कूल में भी ई-लर्निंग एवं डिजिटल सामग्रियों की व्यवस्था हो रही है। ब्लैकबोर्ड की जगह डिजिटल बोर्ड लग रही है। स्मार्ट क्लास में दृश्य-श्रव्य सामग्रियों से पाठ्यक्रम को आसान बनाया जा रहा है। गुरुजी, यूट्यूब व लर्निंग एप्प से पढ़ाकर स्मार्ट गुरु बन गए हैं। बच्चों के हाथ में स्मार्टफोन और टैब होना आम बात हो गई है। कोरोना काल में इन विषय से संबंधित जानकारियों को प्राप्त करना तो सिखाया ही है, साथ ही उन्हें बेवक्त सोशल मीडिया पर घंटों रहने की आदत भी डाल दी है, जो आज बच्चों के लिए मानसिक रोग का कारण बनता जा रहा है। कोरोना के बाद अधिकांश बच्चों की आंखों पर चश्मे लग गए हैं। ऐसे में माता-पिता बच्चों में मोबाइल की लत को लेकर परेशान और चिंतित हैं।

स्कूल में अभिभावक शिक्षक मीटिंग के दौरान अधिकांश अभिभावकों की शिकायत रहती है कि मेरा बच्चा पढ़ाई के बहाने सोशल मीडिया पर अधिक वक्त गुजारता है। जिसकी वजह से उसमें चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और आंखों की समस्या उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में डॉ परमेश्वर प्रसाद कहते हैं कि छोटी उम्र के बच्चों में स्मार्टफोन के अधिक इस्तेमाल से मानसिक रोग तथा ट्यूमर का खतरा अधिक रहता है। आंखों में जलन होना, सूखापन, थकान, अनिद्रा, चेहरे का शुष्क होना आदि आम बात है। स्मार्टफोन चलाते वक्त पलकें कम झपकाने से विजन सिंड्रोम जैसी समस्या पैदा होती है। स्मार्टफोन का दुष्परिणाम है कि बच्चे सामाजिक तौर पर विकसित नहीं हो पा रहे हैं। अन्य बच्चों के साथ सामूहिक गतिविधियां नहीं होने की वजह से उनके व्यक्तित्व का विकास अवरुद्ध हो रहा है। मनोचिकित्सकों का मानना है कि ऐसे बच्चे कार्टून या गेम्स के कैरेक्टर को देखकर हूबहू घर में हरकतें करने लगते हैं। फलस्वरूप उनका बौद्धिक विकास प्रभावित होता है। फोन के चक्कर में खाना-पीना भूलकर घंटों उनका समय गेम्स और वीडियो में लगा रहता है. जिसकी वजह से बच्चों में आक्रामक शैली का विकास अधिक हो रहा है।

वंदना कुमारी, मुजफ्फरपुर, बिहार

ताप्ती तीरे

सार समाचार

छेड़छाड का विरोध करने पर युवती से मारपीट, अरोपी पर प्रकरण दर्ज

मुलताई, देशबन्धु। थाना क्षेत्र बोरदेही के एक ग्राम में निवास करने वाली युवती से छेड़छाड़ कर विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि बीते 21 अक्टूबर की सुबह 9 बजे आरोपी प्रकाश उइके 25 ने बुरी नियत से उसका हाथ पकड़ा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ धारा 354, 354 घ, 323,506 भादवि के तहत केस दर्ज किया है।

जहरीला पदार्थ खाने से ग्रामीण की मौत

मुलताई, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के ग्राम दुनई निवासी एक ग्रामीण की जहरीले पदार्थ का सेवन करने आए मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम दुनई निवासी राजू पिता फग्न्या बारंगे ने थाने में सूचना दी कि बीते कल रविवार को मनोहर पिता सावजी बारंगे (50) ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था ।जिसे परिजन नगर के सरकारी अस्पताल में लेकर आए। जहां पर उपचार के दौरान मनोहर की मौत हो गई। पुलिस द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

2 मकानों में आग, सामान जला

मुलताई, देशबन्धु। प्रभात पट्टन थाना क्षेत्र के ग्राम प्रभातपट्टन में स्थित दो मकानो में अज्ञात कारणों से लगी आग से दोनो मकान जलकर खाक हो गए। वही लाखो रुपए कीमत का सामान आग की भेट चढ गया। ग्राम प्रभातपट्टन निवासी दर्शन पिता दिलीप बारई ने थाने में सूचना देते हुए बताया उसके घर के बाजू मे उसका पुराना मकान है। जिसमे पुराना सामान सहित किराना दुकान का सामान रखते है। पुराने मकान से ही सटा उसके चाचा दिनेश बारई का मकान है। सोमवार सुबह 5.30 बजे के दरमियान पड़ोसी देवकी बाई ने घर आकर बताया कि उसके मकान में आग लग गई है। वह परिवार के लोगो के साथ पहुचा तो पुराने मकान में आग लगी थी। जनसहयोग से पानी लाकर आग बुझाई। लेकिन आग की लपटे तेज होने से उसका और चाचा दिनेश का मकान पूरी तरह जल गया था। मकान में रखा किराना सामान,11 क्विंटल गेँहू,घर की छत जलकर खाक हो गई। दर्शन बारई ने बताया आगजनी में 1 लाख 30 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। उसके चाचा दिनेश के मकान में रखा सामान 15 सौ खाली बारदाने और मकान की छत जल जाने से 35 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अज्ञात है।

ट्रेनों में अवैध वेंडर और किन्नरों पर प्रतिबंध लगाने की मांग, ज्ञापन सौंपा

बैतूल, देशबन्धु। आजाद हिन्द फौज, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस न्याय मंच और अंश सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम से जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर ट्रेनों में अवैध वेंडर, किन्नरों द्वारा रेल यात्रियों से अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इस संबंध में संगठन के संस्थापक पवन कुमार ने बताया कि देखने में आ रहा है कि ट्रेनों में अवैध वेंडर पान, गुटका, चाय आदि अमानक और प्रतिबंधित सामग्री उंचे दाम में बेच रहे हैं। अंश सेवा समिति की सावी मालवी ने बताया कि किन्नरों के द्वारा यात्रियों के साथ अभद्रता करते हुए पैसे उगाही की जाती है।

नामांकन का दूसरा दिनः जमा नहीं हुआ एक भी नाम निर्देशन पत्र

पांसे, देशमुख सहित अन्य 13 ने लिए नामांकन फार्म

मुलताई, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के नामांकन भरने के दूसरे दिन सोमवार को भी एक भी नामांकन पत्र जमा नहीं हो पाए, जबकि कुल 13 लोगों ने नामांकन पत्र प्राप्त किए। जैसे जैसे विधान सभा चुनाव ने नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख पास आते जा रही विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ते जा रही है कि कौन कौन चुनाव लड़ेगा। बीते शनिवार से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए नामांकन जमा करने की प्रकिया प्रारंभ हो गई है। लेकिन शनिवार को किसी का भी नामांकन जमा नहीं हुआ था। वही रविवार को अवकाश रहा। सोमवार को दूसरे दिन भी किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन जमा नहीं किया। हालांकि सोमवार 10 लोगों द्वारा 13 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए गए।

रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम तृप्ति पटैरया ने बताया कि सोमवार विधान सभा क्रमांक 129 मुलताई मे कोई नाम निर्देशन पत्र प्राप्त नही हुआ है। सोमवार दिनेश पिता गुन्नू साहू निवासी बिहरगांव निर्दलीय, इंदलराव पिता भिवाजी खातरकर निवासी ग्राम आष्टा बीएसपी, ईश्वरदास पिता गोमाजी साबले निवासी ग्राम खेडलीबाजार आप, रजनीश पिता भास्कर गिरे निवासी मुलताई शिवसेना, हरीराम पिता जैराम नागले निवासी ग्राम चिचंडा भाजपा, शिवेंद्र पिता अमरलाल निवासी सातनेर निर्दलीय, सुखदेव पिता बसंतराव पांसे निवासी मुलताई द्वारा 4 और मनीष पिता अजाबराव धोटे निवासी बघोड़ा निर्दलीय, हेमंत पिता विजयराव देशमुख निवासी मुलताई भाजपा, सुनील पिता गणपति कास्लेकर निवासी सिपावा द्वारा नाम निर्देशन पत्र ले गए है। सोमवार को कुल 10 व्यक्तियो द्वारा 13 नाम निर्देशन पत्र लिए गए।

भाजपा के नाम पर हेमंत देशमुख का फार्म लेना चर्चाओं में: सोमवार को हेमंत देशमुख ने भाजपा के नाम पर नामांकन फॉर्म लिया जो चर्चाओं में है। क्योंकि भाजपा ने करीब दो माह पहले ही चंद्रशेखर देशमुख को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था, बावजूद इसके हेमंत देशमुख द्वारा भाजपा के नाम से नामांकन फार्म लिया जाना किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

बैतूल से कांग्रेस के डागा और भैंसदेही से भाजपा के चौहान ने भरे नामांकनः विधानसभा निर्वाचन 2023 के नाम निर्देशन के तीसरे दिन बैतूल जिले की पांच विधानसभा सीटों पर दो उम्मीदवार ने अपने नाम निर्देशन जमा कराए है। विधानसभा क्रमांक 131 बैतूल से कांग्रेस के उम्मीदवार निलय डागा ने अपना नाम निर्देशन फार्म रिटर्निंग ऑफिसर अभिषेक चौरसिया के पास जमा कराया। जबकि दूसरे उम्मीदवार भैंसदेही विधानसभा क्रमांक 133 से भाजपा उम्मीदवार महेंद्र सिंह चौहान आत्मज केशव सिंह चौहान ने रिटर्निंग ऑफिसर महेश बमनाह को नाम निर्देशन जमा किया। जिले के पांच विधानसभा क्षेत्र में से आमला, घोड़ाडोंगरी और मुलताई में नाम निर्देशन के मामले में निरंक रहे।

व्यय प्रेक्षकों ने जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ की चर्चा

बैतूल, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारतीय राजस्व सेवा (आई.आर.एस.) अधिकारी अर्नव मुखर्जी और नेम सिंह को बैतूल जिले के विधानसभा क्षेत्र के लिए व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

सिंह और मुखर्जी ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस से मुलाकात की। बैंस ने विधानसभा तैयारियों एवं पैड न्यूज पर निगरानी के लिए बनाए गए एमसीएमसी और एमसीसी के कार्य कलापों की जानकारी दी। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद ने बताया कि प्रेक्षकगणों को प्रत्याशी प्रतिनिधि अथवा आमजन सीधे भी अपनी व्यय संबंधी शिकायत उनके मोबाइल नंबर पर दर्ज कर सकते हैं। आमजन की सीधी और सहज पहुंच के लिए उन्होंने अपने मोबाईल नंबर उपलब्ध कराए है। नेम सिंह का मोबाइल नंबर 70006540722 एवं मुखर्जी मोबाइल नंबर 6260230160 पर उपलब्ध रहेंगे। अहमद ने बताया कि नेम सिंह विधानसभा क्रमांक 129 मुलताई एवं विधानसभा क्रमांक 130 आमला के व्यय प्रेक्षक बनाए गए हैं। जबकि बैतूल घोड़ाडोंगरी एवं भैंसदेही के लिए व्यय प्रेक्षक अरनव मुखर्जी रहेंगे।

रामलीलाः रावण की ही लगाई आग से हनुमान ने किया लंका दहन

भैंसदेही, देशबन्धु। रामलीला मंचन में आठवे दिन रोज की तरह सूत्रधार द्वारा गणेश जी की आरती के बाद रामलीला मंचन शुरुआत अशोक वाटिका से होती है। यहां से रामलीला का मंचन आगे बढ़ता जाता है। इसके एक प्रसंग में रावण अपने गुरुर में कुछ नहीं सुनता है और हनुमान की पूछ में सैनिकों के द्वारा कपड़े बांधकर आग लगवा देता है। आग लगते ही हनुमान सारी लंका को जला देते है लंका आग लगाने के बाद हनुमान वापस अशोक वाटिका माता सीता से मिलने आ जाते है और माता से वापस जाने की आज्ञा लेते है। माता सीता बड़े उदासी मन से हनुमान को निशानी के रूप मे चूड़ामनी देकर विदा करती है और कहती है की हे हनुमान तुम्हारे आने से मुझे बहुत उम्मीद बंधी थी अब मैं यहां दिन कैसे काटूगी। रामलीला के सुंदर चित्रण को देखने के लिये नगर के आसपास के गांव से दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है और रामलीला मंचन की प्रशंसा की जा रही है। अक्षय कुमार का अभिनय रमेश नावंगे, इंद्रजीत का अभिनय देवी सिंह ठाकुर, सैनिको मे डॉ. मुक्तल मिसर, मनीष सोलंकी, रिंकू सिंह ठाकुर, ब्रह्मदेव कुबड़े,आंनद राठौर, आशुतोष राठौर, जितेंद्र तोमर, महेश धोटेकर, स्वदेश सरकार द्वारा सुंदर अभिनय किया गया।

नवमी पर हवन-पूजन के साथ झांकी स्थलों पर हुए कन्याभोज और भंडारे

नवरात्रि पर्व को लेकर देवी आराधना में बीता पूरा दिन

सारनी, देशबन्धु। नगर पालिका के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्रि पर्व की नवमी पर सार्वजनिक दुर्गा पंडालो में हवन पूजन और भंडारे सुबह से लेकर देर शाम तक चलते रहे। कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के शिवाजी नगर पाथाखेड़ा में मनोकामना नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति ने कन्याओं के पैर पखरने के बाद पूजा आराधना और हवन का आयोजन किया गया। हवन पूजन के बाद कन्याओं को भजन कराया गया जबकि समिति के पदाधिकारी का कहना है कि मंगलवार को समिति के माध्यम से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में संपूर्ण क्षेत्र के लोग उपस्थित रहेंगे। समिति के पदाधिकारी 30 वर्षों से लगातार पुराना नगर पालिका प्रांगण में मां दुर्गे की प्रतिमा स्थापित करते है। वहीं जय स्तंभ चौक पर राम बोलो काली समिति द्वारा मां काली की प्रतिमा के समक्ष पूजा आराधना करने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। सारनी के पाल समाज के माध्यम से लंबे वर्ष से सार्वजनिक दुर्गा जी की प्रतिमा की स्थापना करने का कार्य किया जाता है। सुबह पूजा आराधना करने के बाद सोमवार शाम 9 बजे के बाद समिति के माध्यम से भंडारे का आयोजन किया गया। मंगलवार को संपूर्ण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े हर्ष उल्लास के साथ दशहरा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा सुरक्षा व्यवस्था के लिए संपूर्ण क्षेत्र में सारनी एसडीओपी रोशन कुमार जैन,थाना प्रभारी अरविंद कुमरे,पाथाखेड़ा चौकी प्रभारी दिलीप यादव के माध्यम से जगह-जगह पर पॉइंट लगाने का कार्य किया गया है इन पॉइंट वाले स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात रहेंगे किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो इस पर पुलिस तत्काल कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेगी ।वहीं दूसरी ओर दशहरा पर्व को लेकर रानीपुर पुलिस की ओर से सोमवार को रानीपुर घाटों का निरीक्षण किया गया ।र नीपुर थाना प्रभारी अवधेश तिवारी ने बताया कि जिले में आचार संहिता लगी हुई है जिसको देखते हुए सोमवार पुलिस की ओर से घाटों का निरीक्षण किया गया साथ ही रानीपुर थाना के अंतर्गत आने वाले ग्रामों का भ्रमण किया गया एवं सभी ग्रामों के सरपंचों को समय से मूर्ति विसर्जन करने के लिए कहा गया।

दुकान का शटर तोड़कर कीमती सामान ले गए

सारनी, देशबन्धु। शास्त्री नगर में अज्ञात चोर एक सुन दुकान पर धावा बोलकर लगभग 60 हजार से अधिक का सामान ले गए। बताया जाता है कि दुकान मालिक की आकस्मिक मृत्यु हो जाने के कारण परिजन बिहार गए हुए थे और रविवार को वह बिहार से वापस आए हैं। उन्होंने दुकान जाकर देखा तो दुकान का शटर टूटा हुआ था और लगभग 50 से 60 हजार से अधिक का सामान चोरी हो गया था। दुकान मालिक के छोटे भाई रतिश सिंह ने बताया कि स्थानिय पुलिस को इसकी लिखित शिकायत के साथ वीडियो फुटेज देने के बाद भी पुलिस ने अभी तक घटनास्थल का निरीक्षण करना भी करना उचित नहीं समझा है। आर्यन मोबाइल शॉप के संचालक के छोटे भाई रतिश सिंह ने बताया कि उनकी दुकान से इनवर्टर मशीन,दो प्रोजेक्टर, सीरीज लाइट,एलईडी बल्ब और फोन मोबाइल कैलकुलेटर डीजे मशीन टीवी रिमोट डेकोरेशन लाइट मोबाइल चार्ज डीवीडी प्लेयर सहित 50 से 60 हजार का सामान चोरी करके ले जाने में अज्ञात चोर सफल रहे है। उन्होंने बताया कि शास्त्री नगर में दूसरे व्यापारियों के माध्यम से अपनी दुकान के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगाए गए सीसी कैमरे के माध्यम से निकले गए फुटेज में एक युवक दुकान का शटर में लगे ताले को तोड़कर शटर को उठता दिखाई दे रहा है।

मुलताई, देशबन्धु। जय भवानी तरुण मित्र मंडल नरखेड़ में 55वें वर्ष आई माऊली की स्थापना की गई। यहां प्रतिवर्ष नवमीं तिथि के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया जाता है

बारंगवाड़ी में हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब बनाने वाले पर कार्रवाई

मुलताई, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के चलते पूरे क्षेत्र में शासन प्रशासन द्वारा पैनी नजर बनाकर रखी गई है। अवैध रूप से गतिविधियों को संचालित करने वाले लोगों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार पुलिस विभाग द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया कि थाना बोरदेही में विश्वसनीय मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई की ग्राम रेंगाढाना (बारंगवाड़ी) में एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध रूप से हाथ भट्टी की कच्ची महुआ शराब बेचने की नियत से रखा है।

उक्त सूचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी निरीक्षक सरविंद धुर्वे एवं हमराह पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर कर दबिश दी गई। जहां ग्राम रेंगाढाना में कलीराम पिता शंकरलाल उइके उम्र 35 साल निवासी ग्राम रेंगाढाना के घर में 15 -15 लीटर की पांच केन में कुल 75 लीटर अवैध शराब मिली। जिससे उक्त शराब के संबध में पूछताछ करने पर शराब अवैध रुप से रखना पाई गई। जिससे उक्त शराब को जप्त कर आरोपी कलीराम उईके के विरुद्ध अपराध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त उल्लेखनीय कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक सरविंद धुर्वे, एस आई ओपी यादव, एएसआई कमल सिंह मेहर, एएसआई विवेक मेहरा, प्र आरक्षक 368 बलवंत कुमरे, प्र आर 338 सुनील, आरक्षक 455 रामकिशन नागोतिया, 312 बिसन पंद्रे, आरक्षक 620 गोपाल, 634 सचिन महिला आरक्षक 182 सरोज की भूमिका रही है ।

आज मनेगा विजयादशमी पर्व, जलेगा 60 फीट का रावण

सारनी, देशबन्धु। विजयादशमी पर्व पर बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा के फुटबॉल ग्राउंड में मंगलवार रात 10 बजे किया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नवदुर्गा उत्सव समिति फुटबॉल ग्राउंड पाथाखेड़ा के संरक्षक जीपी सिंह,रजीत सिंह ने बताया कि 17 वर्ष रावण दहन के कार्यक्रम को पूर्ण हो चुके हैं मंगलवार को 18वें वर्ष का रावण दहन का कार्यक्रम होगा। इस बार रावण की पुतले की लंबाई 60 फीट रखी गई है। कोयलांचल क्षेत्र पाथाखेड़ा में फुटबॉल ग्राउंड में ही रावण दहन का कार्यक्रम किया जाता है। इसके अलावा विद्युत नगरी सारनी के रामरख्यानी स्टेडियम में रावण और मेघनाथ के पुतले का दहन कार्यक्रम होता है। नवदुर्गा उत्सव समिति फुटबॉल ग्राउंड पाथाखेड़ा के अध्यक्ष लक्ष्मण साहू,सचिव बाबू झा ने बताया कि युवाओं और व्यापारियों के सहयोग से ही पिछले 18 वर्षों से रावण दहन का कार्यक्रम होता चला आ रहा है,उन्होंने बताया कि नवमी के दिन फुटबॉल ग्राउंड में शाम 5 बजे के बाद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के माध्यम से प्रसाद ग्रहण करने का कार्य किया गया ।समिति के पदाधिकारी ने बताया कि पिछले 18 वर्षों से सिद्धनाथ साहू,द्वारका राठौर,शिवकुमार साहू के माध्यम से लगातार रावण के पुतले का निर्माण करते चले आ रहे हैं आयोजक समिति के पदाधिकारी ने संपूर्ण क्षेत्र वासियों से अपील की है कि मंगलवार को रात 10 बजे रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित होगा । कार्यक्रम में राजदेव साहू,नंदकिशोर,संजय प्रजापति,राजेश मास्तकर, लक्ष्मण साहू, कैलाश पाटिल का महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

28 सालों से उत्कृष्ट मैदान पर हो रहा रावण दहन

मुलताई, देशबन्धु। नगर में विगत 28 वर्षों से उत्कृष्ट मैदान पर पंजाबी समाज समिति द्वारा रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 51 फुट के रावण का दहन आज दशहरे के अवसर पर उत्कृष्ट मैदान पर किया जाएगा। जिसमें हजारों की संख्या में नगरवासी रावण दहन के कार्यक्रम को देखने के लिए उपस्थित होते हैं। पंजाबी समाज के पप्पू अरोरा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ताप्ती तट पर स्थित राम मंदिर से भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की झांकी निकाली जाएगी जो रात 8:00 बजे उत्कृष्ट मैदान पर पहुंचेगी। जहां पर रावण दहन कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। हर वर्ष धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में रावण दहन के कार्यक्रम को मनाया जाता है। रावण दहन कार्यक्रम आयोजन के संबंध में नायब तहसीलदार भगवान दास कुमरे एवं थाना प्रभारी प्रज्ञा शर्मा ने उत्कृष्ठ स्कूल मैदान पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया और व्यवस्था देखी। रावण दहन के संबंध में उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण रूप से कार्यक्रम संपन्न हो और उचित व्यवस्थाएं बनाई जा सके, इस हेतु निरीक्षण करने उत्कृष्ट मैदान पर पहुंचे थे।

भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी और कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर ने दाखिल किया नामांकन

टीकमगढ़,देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के नामांकन दाखिले की प्रक्रिया सोमवार से ही शुरू हो गई। सोमवार को खरगापुर और टीकमगढ़ विधानसभा के भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों ने अपने नामांकन फार्म जमा किए। इसके अलावा टीकमगढ़ विधानसभा के लिए करीब आधा दर्जन प्रत्याशियों ने नामांकन फार्म सोमवार को खरीदे हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को जिले की विधानसभा 47 खरगापुर से कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सुरेंद्र सिंह गौर ने अपना नामांकन फार्म रिटर्निंग अधिकारी को जमा किया। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसर ने कांग्रेस प्रत्याशी को शपथ पत्र दिया। जिसे उन्होंने अधिकारी के सामने पढ़कर सुनाया। इसके अलावा विधानसभा 43 टीकमगढ़ से भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी गोस्वामी ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर रिटर्निंग अधिकारी संजय दुबे के पास नामांकन फार्म जमा किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता कौशल किशोर भट्ट, एडवोकेट राजेंद्र सिंह बुंदेला उनके साथ मौजूद रहे। एसडीएम कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार टीकमगढ़ विधानसभा के लिए अब तक कुल आठ नामांकन फार्म खरीदे गए हैं। आज पहला नामांकन फॉर्म भाजपा प्रत्याशी राकेश गिरी गोस्वामी ने जमा किया है। इसके अलावा सोमवार को खरगापुर विधानसभा से अजय सिंह यादव ने नामांकन फार्म खरीदा है। इसके पहले सोमवार को उन्होंने समर्थकों की बैठक लेकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। वहीं शनिवार 21 अक्टूबर को भाजपा पार्षद अभिषेक खरे ने विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन फार्म खरीदा था। उनके नामांकन फार्म खरीदने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है।

खरगापुर से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे श्याम रतन तिवारी, अजय यादव उतरेंगे निर्दलीय

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची जारी होते ही अब दल-बदल का दौर शुरू हो गया है। करीब 1 महीने पहले कांग्रेस में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्य श्याम रतन भक्ति तिवारी ने टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर कांग्रेस से बगावत कर दी है। समाजवादी पार्टी ने उन्हें खरगापुर से मैदान में उतारा है। इसके अलावा कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके अजय सिंह यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

दरअसल, विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस से कई दावेदार टिकट की दौड़ में शामिल थे। दोनों पार्टियों की सूची जारी होने के बाद टिकट की आस लगाए बैठे प्रत्याशियों ने बगावत शुरू कर दी है। खरगापुर से कांग्रेस से टिकट मांग रहे अजय सिंह यादव ने एक सप्ताह पहले इस्तीफा दे दिया था। आज उन्होंने अपने समर्थकों की बैठक बुलाकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। इसके अलावा 1 महीने पहले कांग्रेस में शामिल हुए जिला पंचायत सदस्य भक्ति तिवारी खरगापुर से टिकट मांग रहे थे। जब टिकट नहीं मिला तो उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। समाजवादी पार्टी ने श्याम रतन तिवारी को खरगापुर से मैदान में उतारा है।

भाजपा-कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ेंगे बागी

भाजपा और कांग्रेस से बागी हो रहे नेता सपा, बसपा और आम आदमी पार्टी की टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में है। खरगापुर और जतारा में आम आदमी पार्टी ने टिकट घोषित कर दिए हैं। समाजवादी पार्टी ने भी बीजेपी कांग्रेस से बागी नेताओं को टिकट दिए हैं।

पुलिस ने जिंदा कारतूस व मोटर साइकिल सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

टीकमगढ़, देशबन्धु। सोमवार को आरोपी शिवम यादव पिता सुरेश यादव निवास पहाडीखुर्द को अवैध देशी कट्टा 315 बोर जिंदा कारतूस अपाचे मोटरसाईकिल सहित जप्त कर किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एंव अतिरिक्त पुलिस सीताराम सत्या एवं एस.डी.ओ.पी. राहुल कटरे के मार्गदर्शन में अवैध शराब, जुआ, सट्टा, अवैध हथियार, अवैध मादक पदार्थ एवं 188 ताहि के तहत गुण्डा बदमाशों के विरुद्ध धरपकड हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वही सोमवार को थाना प्रभारी मनीश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में मुखबिर की सूचना पर रेलवे पुल के पास वैशालीनगर कालोनी से आरोपी शिवम यादव पिता सुरेश यादव उम्र 25 साल निवासी पहाडीखुर्द के अवैध हथियार रखने की सूचना पर पुलिस टीम उनि. रामसेवक झा, प्रआर. राकेश घोष, अवधेश खटीक, आर. धीरज, आर. अजय यादव थाना देहात द्वारा आरोपी शिवम यादव के कब्जे से 1 अवैध देशी कटटा 315 बोर कीमती 3500 एवं 315 वोर का जिन्दा कारतूस कीमती करीवन 200 रुपया एवं 1 मोटर साईकिल अपाचे क्रमांक एमपी36जेडसी5240 कीमती 1 लाख 30 हजार कुल मशरूका का जप्त किया।

नवरात्रि के अंतिम दिन ग्रामीण क्षेत्रों में निकले गए जवारे, दुर्गा पंडालों में हुए यज्ञ अनुष्ठान

टीकमगढ़, देशबन्धु। नवरात्रि की नवमी तिथि पर सोमवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जवारे निकाले गए। पिछले 9 दिनों से देवी मां की आराधना कर रहे भक्तों ने विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद प्रमुख मंदिरों में जवारे अर्पित किए। साथ ही दुर्गा पंडालों में हवन पूजन के कार्यक्रम आयोजित हुए। नगर परिषद बड़ागांव में नवरात्रि की नवमीं पर श्रद्धा भाव के साथ जवारे निकाले गए।

इस दौरान परंपरागत ढाल छेड़ने का प्रदर्शन किया गया। नगर के धनुषधारी मंदिर चौराहे पर सालों से ढाल छेड़ने की परंपरा चली आ रही है। देर शाम महिला, पुरुष और बच्चे अपने-अपने सिरों पर जवारे रखकर विसर्जन के लिए पोखना तालाब स्थित देवी मंदिर ले गए। इसके अलावा नगर परिषद कारी में आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग जवारे लेकर पहुंचे। नगर के दीप सागर तालाब के पास बने प्राचीन संतोषी माता मंदिर पर भक्तों ने जवारों का विसर्जन किया। नगर के सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि नवरात्र प्रारंभ से उपवास रखकर देवी मां की आराधना कर रहे भक्तों ने सोमवार को जवारे देखकर व्रत खोले।

दुर्गा पंडालों में हुए यज्ञ अनुष्ठान

नवरात्रि की नवमी तिथि पर सोमवार को शहर के दुर्गा पंडालों में हवन पूजन के कार्यक्रम हुए। इस दौरान भक्तों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में आहुति डाली। आज दशहरा पर विधि विधान से देवी प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने शहर की दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए महेंद्र सागर तालाब के पास विसर्जन कुंड पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

पंडालों में स्थापित मां दुर्गा के दरबार में लगाया गया 56 भोग

माँ जगदम्बा के दरबार में भक्तों ने पूजा अर्चना कर जवारे विसर्जित किए

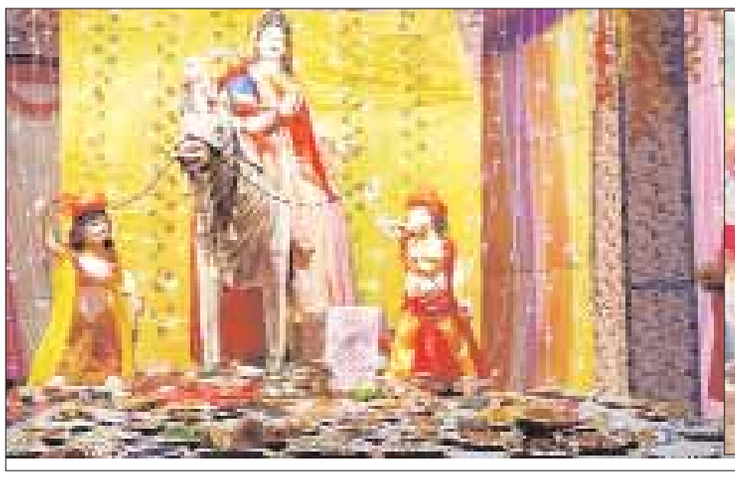

टीकमगढ़, देशबन्धु। नवरात्रि त्यौहार पर दिगौड़ा के कई मोहल्लों में भक्तों के द्वारा दिवाले रखकर जवारे स्थापित किए गए थे। नवरात्रि के महानवमी पर्व पर भक्तों द्वारा जवारों के दिवालों की नौ दिन तक भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना करते हुए आज कुशवाहा मुहल्ले, नदी खिरक, चड़ार मुहल्ले, घुसयाना मुहल्ले, अंबेडकर मुहल्ले व चेनपुरा मुहल्ले से बस स्टैंड व मुख्य बाजार में होते हुए भक्तों द्वारा किले की माँ जगदम्बा के दरबार मे जवारे विसर्जन करने ले जाया गया। कस्बे के प्रत्येक चौराहों पर भक्तों के द्वारा होम लगाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। जवारों को विसर्जन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडी हुई थी। जवारे विसर्जन में छोटे छोटे बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग एवं पुरूष मोजूद थे और अपने-अपने सर पर जवारों के खप्पर रखकर, माता के जय कारे लगाते हुए, किले की मां जगदंबा के दरबार में एवं कस्बे की बड़ी माता मंदिर व छोटी माता मंदिर में जवारों को पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर भक्तों द्वारा जवारे विसर्जित किये गए।

नवरात्र पर्व की महाष्टमी के अवसर पर दिगौड़ा कस्बे के किला परिसर में विराजमान माँ दुर्गा जी की झांकी ऐतिहासिक किला प्रांगण नवदुर्गा महोत्सव समिति के द्वारा स्थापित की गई है। महाष्टमी के दिन कमेटी द्वारा माता के दरबार में छप्पन भोग लगाया गया व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें कस्बे के कई भक्तों ने मांदुर्गा के दरबार में पहुंच कर भाग लिया। इसके साथ ही कस्बे के श्रीगणेश जी मंदिर के पास विराजमान माँ जगदंबे के दरबार में श्रद्धालुओं द्वारा कई प्रकार के व्यंजनों का 56 भोग लगाया गया। इस अवसर पर कई भक्त मौजूद रहे।

सुभाष ग्राउंड पर चल रही सुपर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता

आष्टा, देशबन्धु। सुभाष ग्राउंड पर लगातार 12 दिन तक सुपर लीग फुटबाल प्रतियोगिता होगी जिसका शुभारंभ आज किया गया । जिसमे रोज 1 मैच खेला जाएगा। जिसका समय 3 बजे से 6 बजे तक रहेगा। इस टूर्नामेंट अध्यक्ष भैया एमपी टूर्नामेंट उपाध्यक्ष शेख आरिफ टूर्नामेंट कमिश्नर दिनेश शर्मा शेख अशफाक स्टार गार्डन , जाहिद गुड्डू संयोजक द्वारका प्रसाद सोनी सचिव आमिर अली रानू वसीम बाबा अतीक बारी शेख रशीद राजा पठान सनव्वर उस्ताद, तौसीफ बाबा ,फैजुद्दीन ,उमर लाला नासिर खान शरीफ बाबा सभी खेल प्रेमियो से अशवाक खान ने आग्रह किया है कि अधिक से अधिक पधार कर फुटबॉल टूर्नामअें का आनंद उठाए। इस टूर्नामेंट में संचालक द्वारका प्रसाद सोनी द्वारा किया गया । आभार शेख अशफाक ने व्यक्त किया।

विरोध का सिलसिला जारी, भाजपा नेताओं ने दिया प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा

सीहोर, देशबन्धु। आष्टा विधानसभा में कांग्रेस के टिकट से 3 बार चुनाव हारकर भाजपा में शामिल हुए जिला पंचायत अध्यक्ष गोपाल इंजीनियर को इंजिनियर भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से शुरू बगावत थमने का नाम ही नही ले रही है। पार्टी के फैसले से नाराज कार्यकर्ता इस्तीफे दे रहे हैं। जहां रविवार को वर्तमान विधायक रघुनाथ मालवीय के टिकट कटने से नाराज समर्थकों ने आक्रोश जताया था। वहीं भाजपा से टिकट के प्रबल दावेदार कैलाश बगाना के समर्थकों ने भी विरोध किया था और दोनो गुटों ने एक स्वर में प्रत्याशी बदलने की मांग की थी।

आज फिर विधायक रघुनाथ सिंह मालवीय के समर्थकों ने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ़ जमकर नारेबाजी करते हुए संगठन से प्रत्याशी बदलने की मांग की है। वही अब बात इस्तीफों पर पहुंच गई है और पार्टी के निष्ठावान, जमीनी कार्यकर्ता पदअधिकारी इस्तीफे देने पर मजबूर हो रहे हैं।

इस दौरान नाराज कार्यकर्ताओ ने पार्टी के पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर अपना विरोध दर्ज कराया! वहीं टिकट बिकने के भी आरोप लगा रहे हैं।

बुनियादी मुददों से मुंह फेर लेता हैं सत्तापक्ष : शशांक

सीहोर, देशबन्धु। सोमवार को नगर में जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने क्षेत्रवासियों से संवाद के दौरान कहा कि भाजपा सरकार में सीहोर विधानसभा क्षेत्र पिछडता ही जा रहा है। बीते दस वर्षों में हालत और भी ज्यादा बिगड़े हैं। भाजपा के जनप्रतिनिधि बातें तो बड़ी-बड़ी करते हैं, लेकिन क्षेत्र के लिए कुछ बेहतर करने में नाकाम रहे। सीहोर रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों का स्टापेज बंद हो गया, लेकिन लंबे समय बाद भी यह शुरू नहीं हो पाया। हर समय कांग्रेस आम जनता से जुडी समस्या के समाधान के लिए सड़कों पर रही।

कांग्रेस ने रेल रोको आंदोलन भी चलाया लेकिन भाजपा के जन प्रतिनिधि चाहते ही नहीं यहां पर ट्रेनों का स्टापेज हो। नर्मदा जल लाने का वादा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर चुनाव में करते हैं लेकिन नर्मदा जल नहीं पहुंचा। विभागों की यह हालात हैं कि बिना पैसों के कोई काम नहीं होता। निर्माण कार्यों में कमीशनखोरी हावी है।

कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने सोमवार को नगर के वार्ड 30,32 और 34 में प्रभावी जनसंपर्क किया। इस दौरान वह भोपाली फाटक, मेवातीपुरा, पीली मस्जिद, तलैया पुरा, वोहरा मस्जिद क्षेत्र, तीन मीनार मस्जिद क्षेत्र,पुख्ता मस्जिद क्षेत्र, काजी पुरा, सिपाही पुरा क्षेत्र, झुनियावाडी, बांसापुरा इलाके में लोगों से मिले। जनसंपर्क के दौरान रहवासियों ने उन्हें स्थानीय समस्याओं भी गिनाई। श्री सक्सेना ने कहा कि कांग्रेस क्षेत्र विकास के लिए संकल्पबद्ध है।

अस्पताल में भर्ती, पुलिस कर रही मामले की जांच

बंदूक की बट मार कर युवक को किया घायल

दमोह देशबन्धु। दमोह जिले के देहात थाना अंतर्गत एक एक 24 वर्षीय युवक को सर में गंभीर चोट आने पर इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल आकाश पिता सेवक बाल्मिक उम्र 24 वर्ष निवासी नरसिंहगढ़ को सिर में चोट आने पर इलाज जारी है. वहीं घायल के द्वारा बताया गया कि सिर में बंदूक की बट मार कर घायल किया गया है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मतदान केन्द्रों की सूची के विक्रय मूल्य संशोधित

दमोह देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत मतदान केन्द्रों की सूची का विक्रय मूल्य आंशिक संशोधन किया गया है। मतदाता सूची सामान्य अवधि के लिये 01 रूपये प्रति पृष्ठ और शीघ्रता के लिए 02 रूपये प्रति पृष्ठ निर्धारित किया गया है। निर्वाचक नामावली की फोटो रहित (बिना फोटो वाली) प्रति सीडी पीडीएफफार्मेट में सीडी की दर 100 रूपये प्रति सीडी (एक सौ रूपये) निर्धारित की गई है।अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम ने बताया विधानसभा आम निर्वाचन 2023 हेतु विधानसभा क्षेत्र 54-पथरिया के 9,161 मुद्रित पृष्ठो हेतु विक्रय मूल्य दर प्रति पृष्ठ समान्य अवधि के लिये 01 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 9,161 रूपये और शीघ्रता के लिए 02 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 18,322 रूपये निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 55-दमोह के 9,475 मुद्रित पृष्ठों के लिये 01 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 9,475 रूपये और शीघ्रता के लिए 02 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 18,950 रूपये, 56-जबेरा के 01 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 9,338 मुद्रित पृष्ठों के लिये 9,338 रूपये और शीघ्रता के लिए 02 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 18,676 रूपये एवं विधानसभा क्षेत्र 57-हटा के 01 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 9,581 मुद्रित पृष्ठों के लिये 9,581 रूपये और शीघ्रता के लिए 02 रूपये प्रति पृष्ठ की दर से 19,162 रूपये निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा निर्धारित दर अनुसार मतदान केन्द्रों की सूची की कीमत कार्यालय में नगद जमा भुगतान पर अथवा राशि चालान द्वारा जमा शीर्ष-0070-अन्य प्रशासनिक सेवायें मतदान सूची का मूल्य के अंतर्गत जमा कर मूल चालान प्रस्तुत करने पर प्रदाय की जायेगी।

स्वीप गतिविधियों को लेकर हुई बैठक, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने दिए निर्देश

दमोह देशबन्धु। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी म.प्र. मनोज खत्री ने विधानसभा निर्वाचन 2023 एमसीएमसी एवं स्वीप समिति के नोडल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी स्वीप अर्पित वर्मा, स्वीप एवं एमसीएमसी के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी मौजूद थे। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी खत्री ने एमसीएमसी गतिविधियों के संबंध में जानकारी लेते हुये विस्तृत दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने कहा मीडिया, सोशल मीडिया, केबल नेटवर्क में दिखाई जा रही खबरों पर नजर रखी जाये। यदि कहीं कोई अप्रिय खबर आती है, तो उसे संज्ञान में लिया जाये और आयोग के संज्ञान में लाया जाये। स्वीप गतिविधियों के संबंध में चर्चा करते हुये कहा जिले में स्वीप गतिविधियों अच्छे कार्यक्रम किये जायें, जिससे मतदाताओं में रूझान पैदा हो और मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी हो। कम मतदान वाले केन्द्रों में स्वीप गतिविधियां बढ़ाई जायें। पिछले निर्वाचन में जो स्वीप गतिविधियां रही है उन्हें निरंतर जारी रखा जाये।

दूसरे दिन 7 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए नामांकन

दमोह देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत नाम निर्देशन की प्रक्रिया प्रारंभ है । अभ्यर्थियों द्वारा नामनिर्देश अपने-अपने क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर के समक्ष प्रस्तुत किये जा रहे हैं। इसी प्रक्रिया के तहत 23 अक्टूबर को द्वितीय दिवस 06 अभ्यर्थियों ने नामनिर्देशन पत्र एवं 01 अभ्यर्थी ने पुन: नामनिर्देशन पत्र दाखिल किया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम ने बताया विधानसभा क्षेत्र 54-पथरिया से भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी लखन लाल, बहुजन समाज पार्टी की अभ्यर्थी रामबाई एवं इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के अभ्यर्थी बृजेन्द्र सिंह ठाकुर, विधानसभा क्षेत्र 55-दमोह से भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी जयंत कुमार मलैया एवं इंडियन नेशनल कांग्रेस से अजय कुमार टण्डन ने अपना दूसरा नाम निर्देशन पत्र का सेट दाखिल किया। विधानसभा क्षेत्र 56- जबेरा से इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी प्रताप सिंह ने तथा विधानसभा क्षेत्र 57- हटा से इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी प्रदीप खटीक ने अपना नामांकन दाखिल किया है।

जमुनिया एसएसटी चैक पोस्ट पर हो रही चैकिंग का तहसीलदार ने किया निरीक्षण

दमोह देशबन्धु। विधानसभा चुनाव-2023 को स्वतंत्र, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिले में व्यापक इंतजाम किये गये हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने निर्देशन में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्र के लिए स्थैतिक निगरानी दल-एसएसटी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। जिन्हे भारत निर्वाचन आयोग के दिशा- निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में तहसीलदार दीपा चतुर्वेदी ने पथरिया के जमुनिया फाटक एवं बांसा तिराहे के पास में स्थैतिक निगरानी द्वारा की जारी रही चौकिंग के दौरान चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने बाताया उक्त टीम चेक पोस्ट बनाकर नगदी, अवैध शराब, संदेहास्पद वस्तु शस्त्रों आदि की आवाजाही की निगरानी कर रही है। लगातार वाहनों की चौकिंग कर समस्त प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जा रही है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाया जा रहा है सघन जांच अभियान

गिट्टी के अवैध परिवहन पर हुई कार्यवाही

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के मद्देनजर कलेक्टर एवं पुलिस अक्षीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन परिवहन के विरूद्ध सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। सभी एसडीएम, एसडीओपी सहित खनिज अधिकारी, थाना प्रभारी एवं तहसीलदार को अभियान के तहत कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। इस क्रम में गत रविवार को बमीठा से सलेहा तक गिट्टी का परिवहन करते ट्रक को मड़ला में जांच के दौरान पकड़ा गया। डम्फर ट्रक क्रमांक यूपी 71 एटी 1350 की जांच के दौरान 30 घनमीटर गिट्टी के परिवहन के संबंध में वाहन चालक सोनू रैकवार से कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले, बल्कि कच्ची पर्ची के आधार पर परिवहन करते पाया गया। वाहन चालक द्वारा डम्फर मालिक का नाम शिल्पी गुप्ता निवासी सलेहा बताया गया। टीम द्वारा गौण खनिज नियम 1996 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर ट्रक को मड़ला थाना में रखवाया गया। दण्डात्मक और आपराधिक कार्यवाही पृथक से की जा रही है। निर्देश अनुसार आगामी दिनों में भी दण्डात्मक और पुलिस कार्यवाही जारी रहेगी। इसके अलावा रात्रि में एसएसटी टीम द्वारा बरियारपुर निवासी गिरीश कुमार गुप्ता की कार से ब्राण्डेड कम्पनी की 55 हजार 500 रूपए कीमत की 111 नग घड़ी भी जप्त की गई है। टीम द्वारा चुनाव के दृष्टिगत प्रलोभन के उद्देश्य से घड़ी वितरण के संदेह और वितरण का ठोस कारण नहीं बताए जाने पर उक्त कार्यवाही की गई। इसके अलावा पुलिस टीम द्वारा गत दिवस सघन वाहन चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक यूपी 95 बी 1856 से ड्राइवर सीट के पास डैश बोर्ड में एक लाख रूपए नोटों का बंडल भी पाया गया। वाहन चालक द्वारा कोई रसीद अथवा कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर प्रकरण दर्ज कर अनावेदक को सुनवाई का मौका दिया गया है। प्रकरण में आगे विधिसम्मत कार्यवाही की जा रही है।

3 अपराधी जिला बदर घोषित

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हरजिंदर सिंह ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर तीन अपराधियों को तीन-तीन माह के लिए जिला बदर घोषित किया है। इनमें ग्राम गौरा हाल अमानगंज थाना अमानगंज निवासी मंगू उर्फ वरूण पाठक, ग्राम बहिरवारा थाना धरमपुर निवासी श्रीकांत पाठक उर्फ रामनरेश उर्फ रजोली और ग्राम भटिया थाना सलेहा निवासी नसरत खान उर्फ मुल्लू शामिल हैं।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा राज्य सुरक्षा अधिनियम की धाराओं में अपराधियों के जिला बदर की कार्यवाही की गई है। अपराधी को आदेश तामीली दिनांक से 5 घण्टे के भीतर पन्ना जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती दमोह, छतरपुर, सतना, कटनी और उत्तर प्रदेश के बांदा एवं चित्रकूट जिले की सीमाओं से बाहर रहने का निष्कासन आदेश पारित किया गया है। जिले के किसी न्यायालय अथवा दाण्डिक न्यायालय में पेशी पर उपस्थित होने के लिए अपराधी को संबंधित थाना प्रभारी को लिखित सूचना देनी होगी। आदेश के उल्लंघन पर अपराधी के विरूद्ध मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 एवं 15 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

अमिता बागरी ने छोड़ी भाजपा

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा तथा कांग्रेस दोनो दलो में टिकिट वितरण को लेकर असंतोष पूरे प्रदेश मे देखा जा रहा है, उक्त असंतोष से पन्ना जिला भी अछूता नही है।

पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा में टिकिट वितरण होते ही, दोनो दलो में भारी बगावत मची हुई है, जहां एक ओर राजेश वर्मा को भाजपा का प्रत्याशी घोषित किये जाने के कुछ दिन बाद ही पूर्व विधायक महेन्द्र बागरी ने पार्टी छोड दी थी तथा कांग्रेस पार्टी मे शामिल हो गये थे। इसी प्रकार कांग्रेस पार्टी में भी बगावत हुई तथा पूर्व विधायक फुन्दर चौधरी बीजेपी में शामिल हो गयें। अब भाजपा में एक ओर भाजपा पदाधिकारी जिला मंत्री अमिता बागरी ने भाजपा को अलविदा कहा दिया है तथा अन्य किसी दल से चुनाव लडने का ऐलान कर दिया है उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा तथा भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा को बाहरी बताया तथा कहा कि बाहरियो ने मिलकर स्थानीय लोगो के साथ मिलकर विश्वासघात किया है, जिसका जवाब क्षेत्र की जनता देगी। उधर भाजपा प्रत्याशी राजेश वर्मा को दलाल तथा चन्दा वसूली में माहिर बताया है तथा कहा कि गुनौर विधानसभा में भाजपा की नईया ढूबना तय है।

डाक मतपत्र से मतदान के संबंध में निर्देश

पन्ना, देशबन्धु। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधकारी डाक मतपत्र कुशल सिंह गौतम द्वारा सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात शासकीय सेवकों के प्रारूप 12 की प्रतिपूर्ति उपरांत समयावधि में वापस भेजने के लिए कहा गया है। विधानसभा निर्वाचन में ड्यूटीरत अधिकारी कर्मचारियों को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा मिलेगी, जिसके लिए प्रारूप 12 फॉर्म रिटर्निंग अधिकारियों को भेजे गए हैं। इस संबंध में संबंधित विभाग अंतर्गत निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात होने वाले अधिकारी कर्मचारियों से प्रारूप 12 प्रतिपूर्ति उपरांत आगामी 27 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से जिला निर्वाचन कार्यालय में भेजने के लिए कहा गया है, जिससे प्रारूप 12 की जांच उपरांत संबंधितों का डाक मतपत्र से मतदान करवाया जा सके।

चैतन्य नौ देवियों की झांकी का आयोजन

गंजबासौदा, देशबन्धु। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा तीन दिवसीय चैतन्य नव देवियों की झांकी का आयोजन रखा गया। मनसा पूरण हनुमान मंदिर केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सजी सजाई ब्रह्मचारिणी बहनें चैतन्य में नव देवियों का रूप लेकर विराजित हुई। यह दृश्य बहुत ही मनोरम था साथ ही साथ छत्तीसगढ़ से आए सुभाष भाई ने अपनी मधुर वाणी से देवी मां के गीतों की प्रस्तुति दी एवं ग्वालियर की बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम की प्रस्तुति रखी गई। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने नवरात्रि का आध्यात्मिक अर्थ बताते हुए कहां की भारत में दो रात्रि प्रचलित हैं एक शिवरात्रि दूसरा नवरात्रि और इस नवरात्रि का बहुत बड़ा महत्व है जब मानव पांच विकारों के वशीभूत होता है अपनी सच्ची सुख शांति को खो बैठता है उस समय परमात्मा को दिव्य कर्तव्य हेतु ब्रह्मचारी आत्माओं की आवश्यकता होती है।

डाक मतपत्र की सुविधा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन में अनिवार्य सेवाओं पर तैनात कर्मचारियों को डाक मतपत्र के जरिये मतदान की सुविधा मिलेगी। इनमें चार विभाग क्रमश: लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, गृह विभाग अग्निशमन सेवाएं और ऊर्जा विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल हैं। उक्त विभागों के लिए डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान करवाने के उद्देश्य से नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्हीएस उपाध्याय, चिकित्सा शिक्षा विभाग के लिए सिविल सर्जन डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, गृह विभाग अग्निशमन सेवाएं के लिए परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण शशिकपूर गढ़पाले और ऊर्जा विभाग के लिए कार्यपालन यंत्री प्रशांत वैद्य को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी नोडल अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधान के तहत कार्य संपादित करने के लिए निर्देशित किया गया है। नोडल अधिकारियों को संयुक्त कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी डाक मतपत्र कुशल सिंह गौतम से समन्वय स्थापित कर कर्मचारियों को डाक मतपत्र उपलब्ध कराने की कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है।

35 लाख से अधिक की अवैध शराब जप्त

रायसेन, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे के निर्देशन में आदर्श आचार संहिता लागू की दिनांक 09 अक्टूबर से 22 अक्टूबर 2023 तक सहायक आबकारी आयुक्त रायसेन श्रीमती वंदना पाण्डेय के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा विक्रय, धारण, संग्रहण, अधिपत्य एवं परिवहन के विरूद्ध आबकारी अमले द्वारा 78 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

जिनमें अवैध मदिरा परिवहन किए जाने पर तीन मोटरसाईकिल जप्त की गई हैं पंजीबद्ध 78 न्यायालयीन प्रकरणों में 1401 लीटर देशी/विदेशी एवं कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई, जिसका अनुमानित मूल्य तीन लाख 27 हजार 475 रू है। इसके साथ ही लगभग 32 लाख 31 हजार रू अनुमाति मूल्य का 32310 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया है। इस प्रकार कुल जप्तशुदा मदिरा का कुल अनुमानित मूल्य 35 लाख 58 हजार 475 रू है।

सलामतपुर में एफएसटी टीम ने देशी शराब के 26 क्वाटर जप्त किए: विधानसभा निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे के निर्देशानुसार एसएसटी, एफएसटी दलों द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 23 अक्टूबर को 142-सांची विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गठित एफएसटी दल क्रमांक 2 प्रभारी अधिकारी प्रवेश पाटीदार वन परिक्षेत्र अधिकारी पूर्व रायसेन, पुलिस अधिकारी विकास श्रीवास्तव प्रधान आरक्षक थाना सलामतपुर द्वारा सलामतपुर ओवर ब्रिज के पास शंकर आदिवासी नाम के व्यक्ति से प्लेन देशी शराब के 26 क्वार्टर जप्त किए गए।

भाजपा से बृजेन्द्र प्रताप सिंह, कांग्रेस से भरत मिलन पाण्डेय ने जमा किए नामांकन

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत पन्ना विधानसभा क्षेत्र के लिए भाजपा से अभ्यर्थी बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष जमा किया।

इसी प्रकार कांग्रेस से भरत मिलन पाण्डेय ने रिटर्निंग अधिकारी पन्ना विधानसभा अशोक अवस्थी के समक्ष अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया है। दोनो प्रत्याशियो ने साधारण ढंग से अपने अन्य चार साथियो के साथ नामांकन जमा किये है। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि हमारे द्वारा क्षेत्र में विकास किया गया है, इसी के आधार पर पार्टी ने हम पर भरोसा किया है तथा फिर से प्रत्याशी बनाया है, इसलिए आगामी चुनाव में भी हमारी जीत होगी। उधर कांग्रेस प्रत्याशी भरत मिलन पान्डेय ने कहा कि अजयगढ क्षेत्र की हमेशा उपेक्षा हुई है कांग्रेस पार्टी द्वारा इस बार घाटी नीचे अजयगढ से मुझे प्रत्याशी बनाया है, इस लिए अजयगढ क्षेत्र सहित पूरे विधानसभा के लोगो का आशीर्वाद मिलेगा तथा कांग्रेस पार्टी की विजय होगी।

मजदूरी की नवीन दरें निर्धारित

पन्ना, देशबन्धु। श्रम आयुक्त कार्यालय इन्दौर की अधिसूचना अनुसार 1 अक्टूबर 2023 से 31 मार्च 2024 की अवधि के लिए मजदूरी की नवीन दरें निर्धारित की गई हैं। इस क्रम में जिला कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर सभी कार्यालय प्रमुखों को उक्त आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अब अकुशल श्रेणी के श्रमिकों को 9 हजार 650 रूपए के स्थान पर 9 हजार 825 रूपए, अर्द्धकुशल श्रमिकों को 10 हजार 507 रूपए के स्थान पर 10 हजार 682 रूपए, कुशल श्रमिकों को 11 हजार 885 रूपए के स्थान पर 12 हजार 60 रूपए और उच्च कुशल कर्मचारियों को 13 हजार 185 रूपए के स्थान पर 13 हजार 360 रूपए मासिक निर्धारित किया गया है। शासकीय विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों और कलेक्टर दर पर कार्यरत कर्मचारियों के मासिक वेतन के अलावा दैनिक वेतन की दरें भी निर्धारित की गई हैं। इसमें परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता शामिल है।

निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण में सीजीएसटी, कस्टम, आबकारी, बैंक की अहम भूमिकाः कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के आठ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक विनय बंसल एवं जीएस पोते ने कलेक्ट्रेट सभागार में विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने तथा आयोग के निर्देशानुसार अभ्यर्थियों के व्यय की मानीटरिंग हेतु गठित विभिन्न टीमों व्यय अनुवीक्षण, एमसीएमसी, व्हीएसटी, एसएसटी, एफएसटी तथा रिटर्निंग आफीसर के कार्यो की समीक्षा की।

निर्वाचन व्यय प्रेक्षको ने निर्देश दिए कि सभी टीमें पूरी सजगता के साथ कार्य करें। सभी लोग निष्पक्ष होकर काम करें। उनकी निष्पक्षता उनके कार्यो से दिखनी भी चाहिए। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सीईओ जिला पंचायत पीसी शर्मा, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर वायपी सिंह, व्यय अनुवीक्षण से संबंधित गठित विभिन्न टीमों के नोडल अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

व्यय प्रेक्षक ने कहा कि सी विजिल के माध्यम से कोई भी मतदाता निर्वाचन संबंधी शिकायते आनलाईन दर्ज करा सकता है। इसके लिए उन्हें सी विजिल एप डाउन लोड करना होगा। इसके अतिरिक्त जिला मुख्यालय में शिकायत कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 07582-242222 है तथा टोल फ्री नंबर 1950 से भी निर्वाचन संबंधी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि सभी टीमों को प्रशिक्षण दिया गया है तथा सभी टीमे अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। कलेक्टर ने टीम के सभी सदस्यों को निर्देशित किया है कि वे अपने दायित्व का भली भांति अध्ययन कर क्रियान्वित करें तथा जहां भी शंका हो मास्टर ट्रेनर या निर्वाचन कार्यालय से मार्गदर्शन प्राप्त करें।

उन्होंने बताया कि जिले में 21 अक्टूबर से नाम निर्देशन पत्र भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। अभ्यर्थियों और राजनीतिक दलों द्वारा किए गए व्यय का लेखा रखने के व तस्करी के सामान प्रतिबंधित वस्तुओं और अन्य अवैध वस्तुओं पर नजर रखने के लिए निर्वाचन के दौरान केंद्र शासन व राज्य शासन के विभिन्न विभागों को समन्वय से कार्य करना होता है। जीएसटी विभाग को मतदाताओं को लुभाने व वितरण हेतु गैर मौद्रिक प्रलोभन वाली वस्तुओं जैसे कि साड़ी, शर्ट, टोपी, स्कार्फ, सफेद सामान, मास्क, रसोई का सामान आदि के भंडारण को रोकने के लिए गोदामों आदि पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी व अभिषेक तिवारी पुलिस अधिक्षक ने केंद्रीय जीएसटी, राज्य जीएसटी व लीड बैंक मैंनेजर की संयुक्त बैठक आयोजित कर उनके कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक के कहा कि निर्वाचन की अधिसूचना की दिनॉक से मतदान के दिवस तक विदेशी मदिरा, बीयर, देशी मदिरा के खुदरा विक्रेताओं का उत्पादन, उठान, लाइसेंस प्राप्त स्टॉकिस्टों की स्टॉक सीमा, दैनिक प्राप्ति और उठाव, पिछले वर्ष के उत्पादन आंकड़ों के संदर्भ में मदिरा की दुकानों के खुलने और बंद होने के समय की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए। जहां भी बिक्री का आंकड़ा 30 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाता है, यह थोक बिक्री की संभावना की ओर इशारा करता है। इनकी जांच होनी चाहिए और दुकान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मास्टर ट्रेनर डॉ. वायपी सिंह ने बताया कि निर्वाचन के दौरान नाकों पर जीएसटी टीमों द्वारा ई. वे बिलों की व्यापक जांच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपरोक्त सामान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र में वितरण के लिए उचित जीएसटी बिलों या ई. वे बिलों के बिना नहीं ले जाया जा रहा हो। निर्वाचन के दौरान प्रचार के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों से लेकर पेट्रोल पंपों की बिक्री की निगरानी की जावेगी।

डॉ. रमाकांत मिश्रा मास्टर ट्रेनर ने बताया कि सभी बैंकों को निर्वाचन अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति के बैंक खाते से नकदी की संदिग्ध निकासी पर दैनिक रिपोर्ट जमा करनी होगी। निर्वाचन अवधि के दौरान असामान्य और संदिग्ध नकद निकासी या बैंक खाते में 1 लाख रुपये से अधिक नकद जमा करना, यदि पिछले दो माह के दौरान जमा या निकासी का ऐसा कोई उदाहरण नहीं है। अभ्यर्थियों या पति/पत्नी या उनके आश्रितों के बैंक खाते से 1 लाख रुपये से अधिक नकद जमा या नकद निकासी की निगरानी की जाना चाहिए।

गोविंद सिंह राजपूत ने राहतगढ़ में नाम निर्देशन पत्र जमा किया

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत सुरखी विधानसभा क्षेत्र के लिए भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने सोमवार को रिटर्निंग अधिकारी राहतगढ़ अशोक सेन के समक्ष अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया। गोविन्द सिंह राजपूत ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए सहित चार व्यक्तियों के उपस्थिति में अपना नाम निर्देशन आवेदन जमा किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सविता सिंह राजपूत, पुत्र आकाश सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

दल विशेष का प्रचार-प्रसार करने पर नगर निगम स्थाई कर्मी निलंबित

सागर, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर दीपक आर्य ने सोशल मीडिया व्हाट्सए पर चल रहे एक वीडियो जिसमें नगर पालिक निगम सागर के एक स्थायी कर्मचारी रामेश्वर चौबे को एक राजनैतिक दल के अभ्यर्थी का प्रचार करते पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया हैं। रामेश्वर चौबे का मुख्यालय नगर परिषद बंडा निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मप्र सिविल सेवा आचरणद्ध नियम 1965 के अन्तर्गत कोई भी शासकीय सेवक किसी विधान मण्डल या स्थानीय प्राधिकरण के निर्वाचन में न तो मत याचना करेगा, न अन्यथा हस्ताक्षेप करेगा, न उसके संबंध में प्रभाव का प्रयोग करेगा और न उसमें भाग लेगा। परंतु रामेश्वर चौबे स्थाई कर्मी नगर पालिक निगम सतत् रूप से राजनैतिक दल विशेष के प्रचार-प्रसार में सम्मिलित पाये गये, जो मप्र सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 35 (4) के अन्तर्गत तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 एवं मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र के अंतर्गत कदाचार की श्रेणी में आता है। रामेश्वर चौबे को प्रथम दृष्ट्या दोषी पाये गये हैं, इसलिए उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों एवं मप्र सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपीलद्ध नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। रामेश्वर चौबे, स्थाई कर्मी, नगर पालिक निगम सागर को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

पुलिस ने सात साल पुराने स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया

सागर, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुये पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा फरार स्थाई वारंटियो की अधिक से अधिक धरपकड करने हेतु निर्देशित किया गया था निर्देशानुसार मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया जिसके परिणामस्वरूप सोमवार 23 अक्टूबर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा एवं नगर पुलिस अधीक्षक मकरोनिया केतन अडलक के मार्गदर्शन में न्यायालय आशीष कुमार जेएमएफसी सागर के प्रकरण क्रमांक 3435/11 धारा 25, 27 आर्मस एक्ट में जारी सात वर्ष से फरार स्थाई वारंटी शंकर लाल पिता हल्के भाई लोधी निवासी रानीपुरा को ग्राम बरेठी थाना बण्डा से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। संपूर्ण कार्यवाही में निरी. शिव मंगल सिह राठौड थाना प्रभारी बहेरिया, गिरीश त्रिपाठी चौकी प्रभारी कर्रापुर, आदिल खान, देवेन्द्र सिंह परिहार, दिनेश कुर्मी, प्रहलाद सिंह, दीपा चौरसिया का योगदान रहा।

अंग्रेजी शराब के साथ लग्जरी कार पुलिस की गिरफ्त में

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिपेक्ष्य में अंतर्राज्यीय नाकों पर वाहन चैकिंग करने के निर्देश दिये गये थे। अति. पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी खुरई के निर्देशन में मालथौन पुलिस द्वारा सोमवार को दिल्ली तरफ से आ रही लग्जरी मर्सिडीज कार क्र. एचआर 70 ई 2213 को रोककर बारीकी से चैकिंग की गई जो कार की डिग्गी में एक कार्टून में 8 बोतल टीचर्स कंपनी की अंग्रेजी शराब 1 बोतल इंद्री कंपनी की अंग्रेजी शराब एवं 1 जेगर मिस्टर कंपनी की अंग्रेजी शराब, कुल शराब बोतल 10 प्रत्येक शराब बोतल में 750 एमएल अंग्रेजी शराब कुल शराब मात्रा 75 लीटर कीमत 23,300 रुपए की रखा पाई गई जो शराब रखने के संबंध में लायसेंस चाहा, जो न होना बताया व अपना नाम मंगेश चाटे पिता अनिल चाटे उम्र 32 साल निवासी एशिया टॉवर, आरबीटिल एम्पायर थाना प्रताप नगर जिला नागपुर महाराष्ट्र से अंग्रेजी अवैध शराब 75 लीटर कीमत 23,300 एवं लग्जरी मर्सिडीज कार क्र. एचआर 70 ई 2213 कीमती करीब 35 लाख रूपये की जप्तकर कब्जा पुलिस द्वारा लिया गया थाना वापसी पर अपराध क्रमांक 421/2023 धारा 34 (1) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अवैध अंग्रेजी शराब जप्ती कार्यवाही में निरीक्षक योगेन्द्र सिंह दांगी, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह लोधी चौकी प्रभारी अटा, प्रेमनारायण, सचिन यादव, गजेन्द्र पालिया, स्वदेश परिहार, रोहित यादव, जितेन्द्र, विक्रम का योगदान रहा।

पेट दर्द से परेशान व्यक्ति ने की जहर खाकर आत्महत्या

सागर, देशबन्धु। रहली थाना क्षेत्र के ग्राम रजवांस में 52 वर्षीय व्यक्ति ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक पेट दर्द से परेशान था। लंबे समय से उसका इलाज चल रहा था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम कराया। पुलिस के अनुसार ग्राम रजवांस निवासी रामसेवक पुत्र बलदेव अहिरवार उम्र 52 साल ने घर में जहर खा लिया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मृतक के परिजन प्रकाश अहिरवार ने बताया कि मृतक रामसेवक के पेट में दर्द होता था। उनका इलाज चल रहा था। सुबह बच्चे स्कूल गए थे और चाची पड़ोस में गई थी। इसी दौरान उन्होंने जहर खा लिया था। परिवार वाले घर पहुंचे तो देखा मृतक उल्टियां कर रहा था। जिस पर वे तत्काल रहली के प्राईवेट अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज किया। लेकिन स्थिति में सुधार नहीं आने पर मृतक को बीएमसी रेफर कर दिया गया। सागर लाते समय रामसेवक ने रास्ते में दम तोड़ लिया। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

जो दबा दबा कर खाता है, वह दवाखाना जाता है भूख से कम भोजन अच्छे स्वास्थ्य के निशानी है: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। मोहवस संसारी जीव शरीर की निरोगिता को ही स्वस्थता मान बैठा है। एक दूसरे मिलते हैं पूछते हैं स्वास्थ्य ठीक है, क्या करें पेट दर्द, सिर दर्द, घुटने में दर्द है आदि शरीर की कथा प्रारंभ हो जाती है शरीर तो रोगों का घर है असाता वेदनीय के उदय से शरीर में स्थित रोग ऊपर आकर अपना रंग दिखाते हैं और साता का उदय आते ही दब जाते हैं यह बात मुनि श्री सुदत्तसागर ने अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही, मुनि श्री ने कहा शरीर में 5 करोड़ 68 लाख 99 हजार 584 रोग सदा मौजूद रहते हैं। जबकि आत्मा के साथ मात्र तीन रोग अनादि काल से लगे हुए हैं जन्म, मरण और बुढ़ापा। हम शरीर के तल पर नहीं आत्मा के तल पर जीने का प्रयास करें और जन्म जरा मृत्यु तीनो रोगों को समाप्त करने व्रत, संकल्प दीक्षा को स्वीकार करें। स्व स्थित इति स्वास्थ्य। अपने विशुद्ध आत्मा में स्थित स्वास्थ्य है। अरिहंत सिद्ध परमेष्ठी ही परम निरोग स्वास्थ्य को प्राप्त है। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा स्वस्थ रहने के लिए 32 बार चबाकर भोजन करो। भूख से कम, भोजन करो और पेट के चार भाग में से, दो भाग खाद्य पदार्थ, एक भाग पानी और एक भाग खाली रखो यही भोजन की औषधि है। जो दबा दबा कर खाता है, वह दवाखाना जाता है। स्वास्थ्य खराब हो तो परहेज करो, उपवास करो, एकासन करो, हल्का भोजन करो।

अपहर्ता को पुलिस ने 24 घण्टे के अंदर खोजा

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक द्वारा धारा 363 ताहि में गुम अपहर्ताओ की दस्तयाबी हेतु निर्देशा दिये है, अति. पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी खुरई के निर्देशन में मालथौन पुलिस द्वारा रविवार 22 अक्टूबर को फरियादी कल्याण सिंह परमार द्वारा थाना मालथौन आकर मौखिक रिपोर्ट अपहर्ता के गुम होने के संबंध में लेख कराई जिस पर से थाना पर अपराध क्रमांक 418/2023 धारा 363 ताहि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। उक्त अपराध की अपहर्ता की दस्तयाबी हेतु थाना से टीम गठित कर प्रयास किया गया, जो अपहर्ता को ललितपुर उप्र रेलवे स्टेशन से रविवार 22 अक्टूबर को ही कायमी के 24 घण्टे के अंदर दस्तयाब किया। अपहर्ता में दस्तयाबी में निरीक्षक योगेन्द्र सिंह दांगी, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह लोधी, अमर तिवारी, साईबर सेल सागर से देवनारायण, सचिन, स्वदेश परिहार, रोहित यादव, अंकिता तिवारी का योगदान रहा।

संवेदनशील मतदान केंद्रों का सीआईएफ और पुलिस ने किया भ्रमण

मालथौन, देशबन्धु। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना पुलिस बल और सीआईएफपुलिस की कंपनी के जवानों ने फ्लैग मार्च निकालकर संवेदनशील मतदान केंद्रों का भृमण कर जायजा लिया। थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह दांगी के नेतृत्व में थाना परिसर से सीआईएफ पुलिस और थाना बल द्वारा पैदल मार्च करते हुए नगर के मुख्य मार्ग से भ्रमण करते समस्त मतदान केंद्रों का जायजा लिया। 17 नवम्बर को होने जा रहे विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से स्वच्छ, स्वस्थ्य बातावरण में संपन्न कराने के लिए उद्देश्य से फ्लैग मार्च नगर की सड़कों से निकला गया। आमजन को फ्लैग मार्च के माध्यम से सन्देश आगामी चुनाव निष्पक्ष रूप से लोकतंत्र के उत्सव में भाग ले। चुनाव शांति पूर्ण रूप से संपन्न हो। सोमवार को एक दफा फिर भारी पुलिस बल द्वारा नगर एवं ग्रामीण इलाकों के मतदान केंद्रों का भ्रमण किया गया। उक्त फ्लैग मार्च थाना मालथौन से प्रारंभ होकर बाजार, तालाब रोड होते बस स्टैंड होते थाना में समापन हुआ इसके बाद थाना क्षेत्र के संवेदनशील मतदान केंद्रों का पुलिस बल ने भ्रमण किया। पैदल मार्च करते हुए पुलिस द्वारा आमजन से चर्चा भी की गई। विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन करने की अपील की। पुलिस द्वारा निर्वाचन के दौरान पैदल फ्लैग मार्च के माध्यम से क्षेत्रवासियों को आदर्श आचार संहिता का पालन करने एवं मतदान निष्पक्ष तथा शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न कराने में सहयोग हेतु भी अपील की गई।

निर्वाचन व्यय प्रेक्षकों ने एमसीएमसी कक्ष का निरीक्षण किया

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत नियुक्त किए गए निर्वाचन व्यय प्रेक्षक विनय बंसल एवं जीएस पोते ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्र. 218 में पहुंचकर मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी एमसीएमसी के लिए स्थापित कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्वाचन के दौरान प्रिंट, इलेक्ट्रानिक तथा सोशल मीडिया पर प्रकाशित और प्रसारित होने वाली खबरों, विज्ञापनों, पेड न्यूज आदि की निगरानी के लिये की गई व्यवस्थाओं को देखा। निगरानी के लिये किये गये इंतजाम को बेहतर बताते हुये सराहना भी की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन पूर्ण पारदर्शी, निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने में मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी भव्या त्रिपाठी सहित एमसीएमसी के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

एक फारेस्ट आफीसर का सफरनामा, पुस्तक का लोकार्पण 28 को

सागर, देशबन्धु। सेवानिवृत्त सहायक वन संरक्षक पीएन मिश्रा द्वारा अपने सेवाकाल के विभिन्न रोचक और रोमांचक संस्मरणों पर लिखी किताब उद्गार एक फॉरेस्ट ऑफिसर का सफरनामा का लोकार्पण और उस पर चर्चा 28 अक्टूबर शनिवार शरद पूर्णिमा को श्यामलम् द्वारा वरदान सभागार सिविल लाइंस में दोपहर 1.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में की जाएगी। कार्यक्रम के अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. सुरेश आचार्य, से.नि. वन संरक्षक बीपी उपाध्याय, संस्कृतिविद् डॉ. कविता शुक्ला, वरिष्ठ लेखिका डॉ. शरद सिंह, हिंदी साहित्य सृजन संघ अध्यक्ष सुनीला सराफ व प्राध्यापक डॉ. अंजना चतुर्वेदी तिवारी होंगी।

श्री दुर्गा विसर्जन एवं रावण दहन की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

आज सायं 7 बजे पीटीसी ग्राउण्ड में होगा 51 फुट के रावण के पुतले का दहन

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने बैठक लेकर दशहरा पर्व के मौके पर लेहदरा नाक बड़ी नदी पर होने वाले दुर्गा विसर्जन और पीटीसी ग्राउंड पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा किये जाने वाले रहे रावण दहन कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्यक्रम प्रारंभ होने के पूर्व समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। लेहदरा नाका स्थित श्री दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुये निगमायुक्त ने निर्देश दिए की मुख्य विसर्जन स्थल के साथ आसपास भी आवश्यकता अनुसार प्रकाश व्यवस्था की जावे एवं स्थल पर मूर्तियों के विसर्जन हेतु जेसीबी मशीन, दो नाव और 10 नाविक, सुरक्षा उपकरणों के साथ विसर्जन प्रारंभ होने से समाप्ति तक स्थल पर मौजूद रहे स्थल पर अग्निशमन, वाहन और पेयजल टेंकर रखें जावे। आवश्यक साफ सफाई एवं कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव करायें। जिन मार्गो से चल समारोह निकलना है, उन मार्गो की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था ठीक रहें। इसके अलावा विसर्जन स्थल पर प्रतिमाओं से निकलने वाले प्लास्टिक, बांस, लकड़ी, फूलमाला, घास आदि निकलवाकर स्थल पर ही ट्रॉली में एकत्रित करें। निगमायुक्त ने दशहरा पर्व के मौके पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा रावण दहन कार्यक्रम की तैयारी की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पीटीसी ग्राउण्ड पर टेंट, लाइट सफाई के साथ-साथ रावण का पुतला खड़ा किया जाएगा उसके चारों ओर बेरिकेंटिंग की जाए और फायर ब्रिगेड खडी की जाए। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों की सुविधा हेतु पेयजल हेतु टैंकर खडे किये जाए साथ ही वाहनों की पार्किंग हेतु चूना लाइन डाली जाए तथा रावण दहन के पूर्व शाम 6 बजे से राधे राधे संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी इसलिये सभी व्यवस्थायें कार्यक्रम के पूर्व सुनिश्चित की जाये। इस बार नगर निगम द्वारा 51 फुट के रावण के पुतले का निर्माण कराया जा रहा है जो पूर्व वर्षो की भांति और आकर्षक होगा साथ ही पुतला दहन कार्यक्रम के साथ आतिशबाजी होगी तथा राम लक्ष्मण की झांकी भी प्रस्तुत की जायेगी एवं सायं 7 बजे रावण के पुतले का दहन किया जायेगा।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।